संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
सोमवार
22 दिसंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 179
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

विरासत प्रदर्शनी से जीवंत हो उठी गांव की संस्कृति

पेज-8

पंजाब सरकार की ओर से अमृतसर, श्री आनंदपुर साहिब और तलवंडी साबो को पवित्र शहरों के रूप में अधिसूचित किया गया

- यह ऐतिहासिक निर्णय बहुत पहले लागू हो जाना चाहिए था; मैं परमात्मा का आभारी हूं, जिसने हमें यह निर्णय लेने की समझ और शक्ति प्रदान की: मुख्यमंत्री
- तीनों पवित्र शहरों के व्यापक विकास के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी: भगवंत सिंह मान
- वर्ल्ड सिटी अमृतसर, श्री दमदमा साहिब और श्री आनंदपुर साहिब में विश्व स्तरीय सुविधाएं होंगी: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान
- कहा, वर्ल्ड सिटी अमृतसर, श्री दमदमा साहिब और श्री आनंदपुर साहिब में विश्व स्तरीय सुविधाएं स्थापित की जाएंगी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज यहां कहा कि पंजाब सरकार ने सिखों के लिए धार्मिक महत्व वाले तीन शहरों को पवित्र शहरों का दर्जा देने संबंधी अधिसूचना जारी करके एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। उन्होंने इस पल को प्रदेश के लिए परमात्मा के प्रति कृतज्ञता, विनम्रता और जिम्मेदारी वाला अवसर बताया।

एक वीडियो संदेश में पंजाब के लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि प्यारे पंजाबियों, आपकी अपनी पंजाब सरकार ने सिखों के लिए धार्मिक महत्व वाले शहरों को पवित्र शहरों का दर्जा देने संबंधी अधिसूचना जारी करके एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि यह घोषणा श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें 'शहीदी दिवस' (शहीदी दिवस) को मनाने के लिए राज्य स्तरीय समारोह के मौके पर श्री आनंदपुर साहिब की पवित्र धरती से की गई थी। उन्होंने कहा कि मैं परमात्मा का आभारी हूं, जिसने हमें ऐसा ऐतिहासिक निर्णय लेने की शक्ति, सामर्थ्य और क्षमता प्रदान की है।

इस कदम के महत्व के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सिखों के पांच तख्त साहिबानों में से तीन तख्त पंजाब में स्थित हैं, जिनमें श्री अकाल तख्त साहिब अमृतसर, तख्त श्री केसगढ़ साहिब श्री आनंदपुर साहिब और तख्त श्री दमदमा साहिब तलवंडी साबो शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन पवित्र तख्त साहिबानों की स्थापना वाले तीनों शहरों को अब आधिकारिक रूप से रूहानियत के केंद्रों और पवित्र शहरों का दर्जा दिया गया है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि प्रदेश सरकार इन पवित्र शहरों में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि सिखों के लिए धार्मिक महत्व वाले इन शहरों में ई-रिक्शा, मिनी-बसें और अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवाएं प्रदान करने सहित सभी आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दुनिया भर से आने वाले श्रद्धालुओं और संगत को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इन पवित्र शहरों में अब सख्त नियम लागू होंगे। उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा कि यह निर्णय इन स्थानों की पवित्रता को ध्यान में रखकर लिया गया है और अब इन तीनों शहरों में मांस, शराब, तंबाकू और किसी भी नशीले पदार्थ की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध होगा।

सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि मैं आपको पूरी जिम्मेदारी के साथ आश्वासन देता हूं कि इन शहरों के समग्र और उचित विकास को सुनिश्चित बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। ये शहर केवल रूहानियत का केंद्र नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत का शानदार प्रतीक भी हैं। सिख भाईचारे को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि मैं पूरी सिख संगत को दिल से बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि पवित्र शहरों की घोषणा का यह ऐतिहासिक निर्णय बहुत पहले लागू हो जाना चाहिए था और प्रदेश सरकार द्वारा अधिसूचना जारी होने के साथ, यह निर्णय अब लागू हो गया है और अब इन तीनों शहरों को आधिकारिक रूप से पवित्र शहरों का दर्जा मिल गया है।

मोटी-मोटी बातें

मंत्री अमित शाह 24 दिसंबर को पंचकूला दौरे पर, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ कई अहम कार्यक्रमों में होंगे शामिल

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह 24 दिसंबर को पंचकूला के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के साथ अनेक कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल ने आज पंचकूला में केंद्रीय गृह मंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों व कार्यक्रम स्थलों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सभी कार्यक्रमों का भव्य और सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन तथा संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्व पूर्ण करें। उन्होंने कार्यक्रमों के दौरान सुगम यातायात एवं वाहनों के पार्किंग की सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

अपने पंचकूला दौरे के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह सेक्टर-5 स्थित इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 'साहिबजादों को नमन' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इससे पूर्व वे इंद्रधनुष ऑडिटोरियम परिसर में वीर बाल दिवस पर आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे।

इसके अतिरिक्त श्री अमित शाह सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवी लाल खेल स्टेडियम में पुलिस पासिंग आउट परेड की सलामी लेंगे तथा जवानों को संबोधित करेंगे। वे एमडीसी सेक्टर-1, पंचकूला स्थित अटल पार्क में भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे तथा पंचकमल में उनके जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी करेंगे। इसी दिन श्री अमित शाह एक मेगा रक्तदान शिविर का उद्घाटन कर रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करेंगे। इसके साथ ही वे इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में आयोजित मेगा कोऑपरेटिव कॉन्फ्रेंस में भी मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे।

इस अवसर पर पंचकूला के उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा, पुलिस उपायुक्त श्रीमती सृष्टि गुप्ता, सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) श्रीमती वर्षा खांगवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दिल्ली हवाई अड्डे पर कोहरे के कारण 97 उड़ानें रद्द, 200 से अधिक सेवाओं में देरी

नई दिल्ली- दिल्ली हवाई अड्डे पर रविवार को कोहरे के कारण कम दृश्यता के चलते कुल 97 उड़ानें रद्द कर दी गईं और 200 से अधिक उड़ानों में विलंब हुआ। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि हवाई अड्डे पर 48 आगमन और 49 प्रस्थान उड़ानें रद्द कर दी गईं।

फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट 'फ्लाइरडार24 डॉट कॉम' पर उपलब्ध नवीनतम जानकारी के अनुसार, 200 से अधिक उड़ानों में विलंब हुआ और हवाई अड्डे पर उड़ानों के प्रस्थान में औसतन लगभग 23 मिनट की देरी हुई। दिल्ली हवाई अड्डे के संचालक डीआईएलएल ने दोपहर के समय एक पोस्ट में कहा कि परिचालन सुचारू रूप से जारी है।

डीआईएलएल इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) का संचालन करता है, जो देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा है और आमतौर पर प्रतिदिन लगभग 1,300 उड़ानों का परिचालन करता है। घने कोहरे के कारण पिछले कई दिन से दिल्ली और अन्य हवाई अड्डों पर उड़ान संचालन बाधित है।

तोशाखाना मामले में फैसले के बाद इमरान खान का देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान

इस्लामाबाद: पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने भ्रष्टाचार के एक मामले में उन्हें और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को 17 साल कैद की सजा सुनाए जाने के बाद अपने समर्थकों से देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के लिए तैयार रहने का आग्रह किया।

'तोशाखाना 2' भ्रष्टाचार मामले में खान और उनकी पत्नी बुशरा को शनिवार को एक अदालत ने 17-17 साल जेल की सजा सुनाई। तिहत्तर वर्षीय खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। अप्रैल 2022 में सत्ता से बाहर होने के बाद से उनके खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए हैं।

'तोशाखाना 2' मामले में दंपति पर 2021 में सऊदी सरकार से मिले राजकीय उपहारों के संबंध में धोखाधड़ी करने का आरोप है। खान के 'एक्स' पर आधी रात को पोस्ट किए गए एक बयान के अनुसार, ''सैन्य शैली में आए मुकदमे के फैसले'' के बाद अडियाला जेल में अपने वकीलों के साथ बातचीत में, खान ने अपने समर्थकों से फैसले के बाद विरोध प्रदर्शन करने का आग्रह किया।

यह पता नहीं चल पाया है कि जेल में रहने की वजह से खान के सोशल मीडिया हैंडल तक पहुंच न होने के चलते उनकी बातचीत को उनके निजी खाते पर किसने पोस्ट किया। उन्होंने कहा, "मैंने (खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री) सोहेल अफरीदी को सड़क पर आंदोलन की तैयारी करने का संदेश भेजा है।

कार हादसे में घायल हुईं अभिनेत्री नोरा फतेही, बोलीं-'जिंदगी आंखों के सामने से गुजरती दिखी'

मुंबई: बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही शुक्रवार दोपहर मुंबई के उपनगरीय अंबोली लिंक रोड पर हुए एक सड़क हादसे में घायल हो गईं। पुलिस के अनुसार, जिस कार में नोरा सवार थीं, उसे एक अन्य कार ने टक्कर मार दी। इस मामले में पुलिस ने विनय सकपाल (27) नामक युवक को गिरफ्तार किया है, जिस पर शराब के नशे में वाहन चलाने का संदेह है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसे के समय नोरा फतेही सनबर्न म्यूजिक फेस्टिवल में प्रस्तुति देने के लिए जा रही थीं। दुर्घटना के बाद उन्हें मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया। सूत्रों के मुताबिक, जांच के बाद उन्होंने दक्षिण मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया।

हादसे के बाद नोरा फतेही ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए अपनी सेहत को लेकर अपडेट दिया। उन्होंने कहा कि वह सुरक्षित हैं, लेकिन अभी भी सदमे में हैं। नोरा ने बताया कि नशे में गाड़ी चला रहे व्यक्ति की कार ने उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मारी, जिससे वह कार के अंदर उछल गईं और उनका सिर खिड़की से टकरा गया।

नोरा ने कहा, "मैं जिंदा हूं और ठीक हूं। कुछ मामूली चोटें, सूजन और हल्की सिर की चोट आई है। यह बहुत बुरा हो सकता था। मैंने अपनी जिंदगी को आंखों के सामने से गुजरते देखा।"

उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि शराब या किसी भी नशीले पदार्थ के सेवन के बाद गाड़ी न चलाएं। अभिनेत्री ने साफ शब्दों में कहा कि वह शराब और ड्रग्स जैसी चीजों को बढ़ावा नहीं देतीं और यह 2025 में भी चर्चा का विषय होना दुखद है।

दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में गोलीबारी, 9 लोगों की मौत, 10 घायल

बेंगलुरू- दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग के दक्षिण-पश्चिम में स्थित बेकर्सडाल टाउनशिप में रविवार तड़के हुई गोलीबारी की घटना में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हो गए। दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा (SAPS) ने बताया कि हमले के बाद संदिग्धों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू कर दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, यह घटना स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 1 बजे से पहले एक लाइसेंस प्राप्त शराबखाने (टैवर्न) में हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि करीब 12 अज्ञात संदिग्ध एक सफेद मिनीबस और एक सिल्वर सेडान कार में सवार होकर मौके पर पहुंचे और टैवर्न में मौजूद लोगों पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। हमलावरों ने भागते समय भी आसपास बेतरतीब फायरिंग की।

घटना में घायल हुए लोगों को इलाज के लिए नजदीकी चिकित्सा केंद्रों में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी के मकसद का पता जांच के बाद लगाया जाएगा। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं हुई है।

बेकर्सडाल टाउनशिप रैंड वेस्ट सिटी स्थानीय नगरपालिका का हिस्सा है। नगरपालिका की वेबसाइट के अनुसार, यह इलाका सोने की खदानों के पतन के बाद से उच्च बेरोजगारी और गरीबी जैसी समस्याओं से जूझ रहा है।

गौरतलब है कि अफ्रीका की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था माने जाने वाले दक्षिण अफ्रीका में हत्या दर दुनिया में सबसे अधिक है। औसतन यहां प्रतिदिन करीब 60 हत्याएं दर्ज की जाती हैं, जिससे देश में कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं बनी हुई हैं।

स्थानीय कौशल और आधुनिक तकनीक से युवा बनें रोजगार सृजनकर्ता : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ स्वदेशी को मिल रही नई दिशा - नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने स्थानीय कौशल को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए जॉब सीकर नहीं बल्कि जॉब क्रिएटर बनें। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार युवाओं की उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है तथा मुद्रा योजना, स्टैंड-अप इंडिया एवं एमएसएमई क्षेत्र के लिए विशेष सब्सिडी जैसी योजनाओं के माध्यम से उन्हें सहयोग प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं द्वारा स्वदेशी तकनीक के विकास से न केवल नए उद्यमों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि भारत को विश्व गुरु बनाने के लक्ष्य की दिशा में भी सशक्त योगदान सुनिश्चित होगा।

मुख्यमंत्री आज पंचकूला में आयोजित स्वदेशी महोत्सव-2025 का उद्घाटन करने उपरांत उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान स्टार्टअप युग में स्वदेशी की अवधारणा केवल पारंपरिक उत्पादों तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीक, सॉफ्टवेयर, रक्षा उपकरण एवं सेमीकंडक्टर जैसे आधुनिक क्षेत्रों में भी स्वदेशी को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में वर्तमान में 12 लाख से अधिक पंजीकृत एमएसएमई कार्यरत हैं, जो लगभग 65 लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं।

प्रत्येक ब्लॉक के विशिष्ट उत्पाद की पहचान कर उसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रांड इंडिया के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार लोकल मैन्युफैक्चरिंग को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसके अंतर्गत 'पद्मा' योजना प्रारंभ की गई है, जिसके तहत हर ब्लॉक के विशिष्ट उत्पाद को पहचान दी जा रही है। अंबाला के वैज्ञानिक उपकरण, पानीपत के हैंडलूम तथा रेवाड़ी की पीतल कला को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रांड इंडिया के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में रोजगार देने वाला युवा वर्ग तैयार करने के उद्देश्य से 'हरियाणा राज्य स्टार्टअप नीति-2022' लागू की गई है। इसके सकारात्मक परिणामस्वरूप हरियाणा आज देश में स्टार्टअप की संख्या के आधार पर सातवें स्थान पर है। वर्तमान में प्रदेश में 9,500 से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स कार्यरत हैं। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु 2,000 करोड़ रुपये का फंड ऑफ फंड्स स्थापित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ स्वदेशी को मिल रही नई दिशा

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी भारत की स्वतंत्रता आंदोलन की मूल भावना रही है। महात्मा गांधी द्वारा स्वदेशी को स्वावलंबन का माध्यम बनाया गया। आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ स्वदेशी को नई दिशा मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और शीघ्र ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2030 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब गांवों के कारीगर, स्वयं सहायता समूहों की बहनें और सूक्ष्म उद्यमी विकास यात्रा के सक्रिय भागीदार बनेंगे। उन्होंने कहा कि जब कोई महिला सिलाई, डेयरी या हस्तशिल्प का कार्य शुरू करती है, तो वह केवल आजीविका नहीं, बल्कि समाज का भविष्य गढ़ती है।

हरियाणा में अब तक 65 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों किया सशक्त

मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा में अब तक 65 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों को सशक्त किया गया है, जिनसे लाखों महिलाएं जुड़ी हुई हैं। उन्होंने स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने और प्लास्टिक-मुक्त भारत एवं कचरा-मुक्त हरियाणा के संकल्प को अपनाने का आह्वान किया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने स्वदेशी महोत्सव में लगाए गए स्वदेशी उत्पादों के स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने भारत माता मंदिर में पूजा-अर्चना की तथा यज्ञ में आहुति डालकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर पांच स्वदेशी वस्तुओं को धारण करने और पांच विदेशी वस्तुओं का त्याग करने का भी संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर राज्य सभा सांसद रेखा शर्मा, कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा, पूर्व स्पीकर विधानसभा ज्ञान चंद गुप्ता, मेयर कुलभूषण गोयल, स्वदेशी जागरण मंच के सह-संगठक श्री सतीश कुमार, जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, बंतो कटारिया, ओम प्रकाश देवीनगर, कृष्ण लाम्बा, राजेश गोयल, गुरिंदर भट्टी, पुनीत खन्ना सहित स्वदेशी जागरण मंच के कार्यकर्ता और अन्य गणमान्य भी उपस्थित रहे।

समाज के प्रत्येक वर्ग तक न्याय सुलभ बनाना विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य - अशोक कुमार वत्सल

सोलन । अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी एवं उपमण्डल विधिक सेवा प्राधिकरण कसौली के अध्यक्ष अशोक कुमार वत्सल ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक न्याय सुलभ बनाना और विधिक सहायता पहुंचाना है ताकि कोई भी व्यक्ति कानून के अभाव में अपने अधिकारों से वंचित न रहे। अशोक कुमार आज उपमण्डल विधिक सेवा समिति धर्मपुर द्वारा राजकीय महाविद्यालय धर्मपुर में आयोजित विशाल विधिक साक्षरता शिविर को सम्बोधित कर रहे थे।

अशोक कुमार वत्सल ने कहा कि भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार प्रदान करता है। न्यायपालिका का मुख्य कार्य आम जन के जीवन को सरल बनाना है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका समाज में व्याप्त कुरीतियों के उन्मूलन के लिए सतत् प्रयासरत रहती है। उन्होंने कहा कि ऐसे मेगा शिविर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि इस दिशा में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) ने कई महत्वपूर्ण योजनाएं आरंभ की हैं। इनमें नालसा (डीएडब्ल्यूएन - ड्रग अवेयरनेस एंड वेलनेस नेविगेशन - फॉर ए ड्रग फ्री इंडिया) योजना-2025, न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करना, कानूनी जागरूकता बढ़ाना और मादक द्रव्यों के सेवन के पीड़ितों को सहायता प्रदान करने के लिए योजनाएं आरम्भ की गई हैं। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी ने कहा कि स्वस्थ एवं गतिशील समाज के लिए युवाओं को नशे से दूर रखना आवश्यक हैं। इस दिशा में सभी का सहयोग अपेक्षित है।

2 किलोमीटर पैदल चल शाहपुर के दुर्गम गांव जांवली पहुंचे विधायक केवल सिंह पठानिया

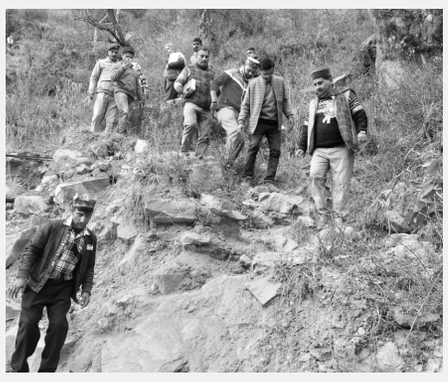

शाहपुर । शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया आज शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के दुर्गम गांव जांवली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने लगभग 2 किलोमीटर पैदल चलकर गांव तक पहुंचकर प्रभावित परिवारों से संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। गौरतलब है कि इस वर्ष भारी बरसात के कारण जांवली गांव के आठ परिवारों की भूमि बह गई थी तथा उनके मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए थे। विधायक ने प्रभावित परिवारों से मिलकर संवेदनाएं व्यक्त कीं और उन्हें आश्वस्त किया कि वन अधिकार नियमों के अंतर्गत शीघ्र ही उन्हें भूमि अलॉट की जाएगी। उन्होंने संबंधित विभागों को आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द राहत प्रदान की जा सके। इससे पूर्व विधायक केवल सिंह पठानिया ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय करेरी के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय परिसर में 10 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सुरक्षा दीवार का शिलान्यास किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को और सुदृढ़ करने के लिए क्लस्टर प्रणाली लागू कर रही है।

सेवानिवृत्त अध्यापक जीवन सिंह राणा ने रची सफलता की नई इबारत

- प्राकृतिक खेती से ड्रैगन फ्रूट की उपज में कमाया नाम, बने सैकड़ों किसानों की प्रेरणा

शिमला। सेवानिवृत्ति के बाद अधिकतर लोग आराम और सुकून का जीवन चुनते हैं, लेकिन कांगड़ा जिला के नगरोटा सूरियां क्षेत्र के घार जरोट गांव से संबंध रखने वाले जीवन सिंह राणा ने इस सोच को पूरी तरह बदल कर रख दिया है। शिक्षा विभाग में प्रवक्ता पद से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने न केवल सक्रिय जीवन को अपनाया, बल्कि प्राकृतिक खेती के माध्यम से एक ऐसी मिसाल कायम की, जो आज क्षेत्र के सैकड़ों किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बन चुकी है।

कृषक परिवार से ताल्लुक रखने वाले जीवन सिंह राणा ने सितंबर 2020 में पंजाब के बरनाला स्थित एक ड्रैगन फ्रूट फार्म का भ्रमण कर इस नई और लाभकारी फसल की बारीकियां सीखीं। इसके बाद उन्होंने अपने बेटे, सिविल इंजीनियर आशीष राणा और पत्नी कुन्ता राणा के साथ मिलकर कृषि एवं बागवानी के क्षेत्र में एक नई शुरुआत की। हिमाचल प्रदेश के बागवानी विभाग से तकनीकी मार्गदर्शन लेकर उन्होंने 6 कनाल भूमि में लाल छिलके वाली ड्रैगन फ्रूट किस्म के 450 पौधे लगाए। उनकी मेहनत का परिणाम पहले ही सीजन में दिखाई देने लगा और दूसरे सीजन तक उन्हें लगभग 1 लाख 25 हजार रुपये की आय प्राप्त हुई। इस वर्ष अब तक वे लगभग 26 क्विंटल ड्रैगन फ्रूट 250 से 300 रुपये प्रतिकिलोग्राम की दर पर विक्रय कर चुके हैं जिससे उन्हें लगभग 7 लाख रुपये की आय हुई। भविष्य में वे इस खेती के दायरे को और विस्तार देने की योजना बना रहे हैं इस समय उनके बाग में 1125 पोल पर 4500 से अधिक पौधे लगे हुए हैं।

ड्रैगन फ्रूट को 'सुपर फ्रूट' कहा जाता है, लेकिन आज भी बहुत से लोग इसके स्वाद और औषधीय गुणों से अनजान हैं। राणा परिवार की मेहनत से न केवल यह फल क्षेत्र में लोकप्रिय हो रहा है, बल्कि इसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति भी लोगों में जागरूकता बढ़ी है। प्रदेश एवं केन्द्र सरकार द्वारा भी उनको विभिन्न मंचों पर सम्मानित किया गया है। जीवन सिंह राणा ने वर्ष 2014 से ही प्राकृतिक खेती को अपनाना शुरू कर दिया था। उन्होंने कृषि विभाग से प्रशिक्षण लेकर विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाया। साहीवाल नस्ल की गाय पालकर वे प्राकृतिक खेती की सभी आवश्यक सामग्रियां स्वयं तैयार करते हैं। इससे न केवल मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, बल्कि फसलें रोगों से भी सुरक्षित रहती हैं।

ड्रैगन फ्रूट के साथ-साथ वे स्ट्रॉबेरी, मक्का, गेहूं, धान (लाल बासमती), चना, अलसी, कोदरा, अदरक और हल्दी जैसी फसलों की भी सफल खेती कर रहे हैं। सब्जियों में लौकी, टिंडा, खीरा, करेला, घीया, भिंडी और बैंगन का उत्पादन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त उनके खेतों में अमरूद, पपीता, जामुन, हरड़, बेहड़ा और आंवला जैसे फलदार पौधे भी लहलहा रहे हैं। प्रदेश सरकार के कृषि एवं बागवानी विभाग द्वारा उन्हें समय-समय पर तकनीकी एवं वित्तीय सहायता प्रदान की गई। प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना के तहत देसी गाय खरीद पर 20 हजार रुपये का अनुदान, गौशाला निर्माण, गौमूत्र भंडारण, ट्रैक्टर पर 2.5 लाख रुपये, बोरवेल पर 1 लाख 10 हजार रुपये, ड्रिप व स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली पर 22 हजार रुपये तथा ड्रैगन फ्रूट पौधों व पॉलीहाउस पर सब्सिडी प्रदान की गई।जीवन सिंह राणा बताते हैं कि शुरुआत में उन्होंने 100 पोल पर 500 ड्रैगन फ्रूट के पौधे लगाए थे, जिसके बाद 125 अतिरिक्त पोल लगाकर खेती का विस्तार किया गया। वे प्राकृतिक खेती के अंतर्गत मल्टी-क्रॉपिंग के प्रयोग भी कर रहे हैं, जिसमें भिंडी और मटर जैसी फसलें शामिल हैं।

इसी बाग में उन्होंने ट्रायल आधार पर ड्रैगन फ्रूट के बीच लगभग 50 पपीते के पौधे भी लगाए, जिनमें बहुत कम समय में फल आना शुरू हो गए हैं। राणा बताते हैं कि उनके ड्रैगन फ्रूट की मांग केवल हिमाचल प्रदेश तक सीमित नहीं है, बल्कि अन्य राज्यों से भी आर्डर मिल रहे हैं। इस वर्ष हिमाचल प्रदेश बागवानी विभाग के माध्यम से दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित प्रदर्शनी में उनके ड्रैगन फ्रूट का प्रदर्शन किया गया, जहां से यूरोप (इंग्लैंड) तक से आर्डर प्राप्त हुए। जीवन सिंह राणा का कहना है कि उनकी सफलता में हिमाचल प्रदेश बागवानी विभाग और प्राकृतिक खेती योजनाओं का अहम योगदान है। वे कहते हैं कि यदि ईमानदारी और लगन से मेहनत की जाए तो गांव में रहकर भी सम्मानजनक जीवन, बेहतर स्वास्थ्य और अच्छी आय संभव है। वे अपनी जरूरत का अधिकांश स्वयं उत्पादन करते हैं और अतिरिक्त उपज को बाजार में बेचते हैं। राणा कहते हैं कि उनका बेटा आशीष राणा जोकि एक सिविल इंजिनियर है वह भी अब उनके इस कार्य को संभाल रहा है।

राणा बताते हैं कि ड्रैगन फ्रूट अत्यंत मीठा और उच्च गुणवत्ता वाला फल है, जिसे बिना फ्रीज किए भी दो महीने तक सुरक्षित रखा जा सकता है। वे खेती में किसी भी प्रकार के रासायनिक उर्वरक या कीटनाशक का प्रयोग नहीं करते। अपनी अथक मेहनत, नवाचार और प्राकृतिक खेती के प्रति समर्पण से जीवन सिंह राणा और उनका परिवार आज सफलता की नई कहानी लिख चुका है। ड्रैगन फ्रूट की लालिमा अब केवल उनके खेतों तक सीमित नहीं रही, बल्कि पूरे क्षेत्र की पहचान बन चुकी है। वे यह सिद्ध करते हैं कि सेवानिवृत्ति अंत नहीं, बल्कि नई शुरुआत का सबसे सुंदर अवसर हो सकता है।

उद्यान विभाग द्वारा ड्रैगन फरूट की खेती को निरंतर किया जा रहा है प्रोत्साहित : अलक्ष पठानिया - उपनिदेशक उद्यान अलक्ष पठानिया ने कहा कि जिला कांगड़ा में उद्यान विभाग द्वारा ड्रैगन फरूट की खेती को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। वर्तमान में जिले में लगभग 3 हेक्टेयर क्षेत्र को ड्रैगन फरूट की खेती के अंतर्गत लाया जा चुका है, जिसमें करीब 5 बागवान इस फसल की खेती कर रहे हैं। यह खेती मुख्य रूप से नगरोटा सूरियां, नूरपुर, देहरा, रैत सहित अन्य क्षेत्रों में की जा रही है। उन्होंने बताया कि ड्रैगन फरूट एक कैक्टस प्रजाति की फसल है, जो विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है जहाँ तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहता है। इसी कारण उद्यान विभाग द्वारा इसे जिले के गर्म क्षेत्रों में अधिक बढ़ावा दिया जा रहा है। अलक्ष पठानिया ने कहा कि उद्यान विभाग द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं के अंतर्गत ड्रैगन फरूट की खेती करने वाले किसानों एवं बागवानों को अनेक सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। सिंचाई व्यवस्था के लिए किसानों को ड्रिप इरिगेशन, स्प्रिंकलर, रेनगन जैसी आधुनिक प्रणालियों पर अनुदान दिया जा रहा है, ताकि पानी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। इन सुविधाओं के माध्यम से किसानों को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि एरिया एक्सपेंशन योजना के अंतर्गत ड्रैगन फरूट की खेती का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है और अब तक 3 हेक्टेयर क्षेत्र को इसके अंतर्गत लाया गया है। ड्रैगन फरूट की खेती के लिए किसानों को प्रति हेक्टेयर 3 लाख 37 हजार 500 रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है, जिसमें पौधों की लागत एवं सपोर्ट सिस्टम (खंभे आदि) पर होने वाला खर्च शामिल है। यह अनुदान किसानों को दो किस्तों में प्रदान किया जाता है, जिसमें पहली किस्त 60 प्रतिशत होती है।

जनजातीय क्षेत्रों के विकास में सरकार की नीतिगत योजनाएं बनी वरदान

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार राज्य का समावेशी विकास करने के लिए अभिनव कदम उठा रही है। सरकार दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के विकास के लिए संवेदनशील है। प्रदेश में लगभग 5.71 प्रतिशत जनजातीय आबादी हैं। इनका सामाजिक और आर्थिक उत्थान सुनिश्चित करने के लिए योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है।

जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के विकास के लिए राज्य योजना का नौ प्रतिशत जनजातीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम के तहत आवंटित किया गया है। वर्तमान प्रदेश सरकार द्वारा पिछले तीन वर्षों में जनजातीय क्षेत्रों के लिए इस कार्यक्रम के तहत 2,386.15 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह प्रयास सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों को प्रदर्शित कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जनजातीय विकास कार्यक्रम के तहत 638.73 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक पहल करते हुए पांगी घाटी को राज्य का पहला प्राकृतिक खेती उप-मंडल घोषित किया है। किसानों की आर्थिकी सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार ने पांगी के किसानों द्वारा प्राकृतिक खेती से उत्पादित जौ को 60 रुपये प्रति किलोग्राम के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदना भी शुरू कर दिया है। लगभग 40 मीट्रिक टन जौ की खरीद सुनिश्चित की जा चुकी है, जिससे क्षेत्र के किसान लाभान्वित हुए हैं। फरवरी 2024 में स्पीति में इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख-सम्मान निधि योजना को शुरू किया गया।

जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं

के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर सृजित किए जा रहे हैं। इस दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा क्षेत्रों में परिवहन क्षेत्र के माध्यम से आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए बस और ट्रेवलर वाहनों की खरीद पर पात्र युवाओं को 40 प्रतिशत तक सब्सिडी तथा सड़क कर पर चार माह की छूट प्रदान की जाएगी। जनजातीय इलाकों में सौर ऊर्जा क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर सृजित करने के लिए सरकार निजी क्षेत्र में 100 किलोवाट से दो मेगावाट तक की सौर परियोजना स्थापित करने के लिए पांच प्रतिशत ब्याज उपदान प्रदान करेगी।

इन क्षेत्रों में बुनियादी अधोसंरचना के निर्माण पर भी विशेष बल दिया जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में जनजातीय क्षेत्रों में परिवहन, सड़कों, पुलों और भवनों के निर्माण पर लगभग 476 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। जनजातीय क्षेत्रों में 3,148 किलोमीटर मोटर योग्य सड़कों का निर्माण किया गया है। क्षेत्र में लगभग 61 प्रतिशत पक्की सड़कें हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बर्फ़ से ढके क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिए है ताकि मार्च-अप्रैल में निर्माण कार्यों को शुरू किया जा सकें। किन्नौर में निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए निगुलसरी में नई सड़क का निर्माण किया जाएगा।

जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के लिए शिक्षा गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए निचार, भरमौर, पांगी और लाहौल में चार एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्थापित किए गए हैं, जिनमें वर्तमान में 1,008 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया हैं। पांगी और कुकुमसेरी में नए परिसरों के लिए आधारशिला रखी गई है। पांगी और लाहौल में निर्माण कार्य प्रगति पर है और भरमौर में इस विद्यालय के निर्माण संबंधी औपचारिकताएं पूर्ण की जा चुकी है। निचार में अतिरिक्त छात्रावास संबंधी निर्माण कार्य प्रगति पर है। जनजातीय अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है और 40.29 करोड़ रुपये की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भारत सरकार को स्वीकृति के लिए भेजी गई है। जनजातीय क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा रही है। इन क्षेत्रों में दो क्षेत्रीय अस्पताल, छह नागरिक अस्पताल, पांच सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 46 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, तीन आयुर्वेदिक अस्पताल, 73 आयुर्वेदिक औषधालय, 48 पशु चिकित्सालय, 118 पशु चिकित्सा औषधालय और पांच भेड़ और ऊन विस्तार केंद्र स्थापित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने किया पल्स पोलियो अभियान का शुभारम्भ

- चमियाणा में बच्चों के लिए स्थापित होगा एडवांस पीडियाट्रिक सेंटर

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के अवसर पर कमला नेहरू अस्पताल, शिमला में आयोजित राज्य स्तरीय 'सघन पल्स पोलियो अभियान' का शुभारम्भ किया। उन्होंने नन्हें-मुन्ने बच्चों को पोलियो से बचाव की खुराक भी पिलाई। मुख्यमंत्री ने अभियान के सफल आयोजन के लिए चिकित्सकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा, एएनएम, पंचायती राज संस्थाओं, स्कूल शिक्षकों एवं प्रशासन की सराहना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से लेकर मेडिकल कॉलेज तक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर रही है। उन्होंने कहा कि अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपरस्पेशलिटी आयुर्विज्ञान चमियाणा में एडवांस पीडियाट्रिक सेंटर खोला जाएगा। इस सेंटर में बच्चों के इलाज के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं और आधारभूत ढांचा विकसित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अस्पतालों में 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों के लिए ओपीडी परामर्श के लिए विशेष स्लॉट निर्धारित किए जाएंगे, ताकि उन्हें इंतजार न करना पड़े और सुविधाजनक उपचार सुविधा प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र को विशेष अधिमान दे रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र को और सशक्त बनाने के लिए विश्वस्तरीय तकनीक और आधारभूत ढांचा विकसित किया जा रहा है। चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए सभी रिक्त पदों को चरणबद्ध तरीके से भरा जा रहा है।

विधिक साक्षरता आमजन को कानूनी रूप से बनाती है सशक्त - चुनौती संगरौली

सोलन। न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी कण्डाघाट एवं उपमण्डल विधिक सेवाएं प्राधिकरण समिति कण्डाघाट की अध्यक्ष चुनौती संगरौली ने कहा कि विधिक साक्षरता जहां आम जन को कानूनी रूप से सशक्त बनाती है वहीं उन्हें जीवन में विधि के अनुसार सही मार्ग पर चलने में सहायता भी करती है। चुनौती संगरौली आज यहां उपमंडलीय विधिक सेवाएं समिति कण्डाघाट द्वारा बाहरा विश्वविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय विशाल विधिक साक्षरता शिविर की अध्यक्षता कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि आम लोगों को न्याय सुलभ बनाने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) ने कई महत्वपूर्ण योजनाएं आरंभ की हैं। इनमें नालसा (डीएडब्ल्यूएन - ड्रग अवेयरनेस एंड वेलनेस नेविगेशन - फॉर ए ड्रग फ्री इंडिया) योजना-2025, न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने, कानूनी जागरूकता बढ़ाने और मादक द्रव्यों के सेवन के पीड़ितों को सहायता प्रदान करने के लिए आरम्भ की गई योजनाएं महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि यह योजनाएं एक स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त भारत के निर्माण में सहायक बन रही हैं। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि नशे के व्यापार में संलिप्त लोगों की सूचना नेशनल नारकोटिक्स हेल्पलाइन-1933 और नशे के आदि व्यक्तियों को पुनर्वास संबंधित नशा मुक्ति पुनर्वास केंद्र में भेजने के लिए हेल्पलाइन 14446 पर सूचना दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि नशे के व्यापार में संलिप्त लोगों को सजा मिलनी आवश्यक है। नशे के आदि व्यक्तियों का पुनर्वास भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

उपमंडलाधिकारी कण्डाघाट गोपाल शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और पर्यावरण को सुरक्षित रखना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त समाज, पर्यावरण संरक्षण व आपदा प्रभावितों के पुनर्वास के लिए समाज के प्रत्येक नागरिक को सामूहिक एवं व्यक्तिगत रूप से प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों से आग्रह किया कि अपने परिवार के सदस्य, माता-पिता व बुजुर्गों को अपना दोस्त बनाएं और उनसे अपनी सभी तरह के सुख-दुख सांझा करें। अधिवक्ता पी.सी. सूद, बाहरा विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक नितीश कुमार और पुलिस विभाग से निरीक्षक हंसराज ने नशा निवारण विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने नशे के सेवन से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। प्रियंका शर्मा ने इस अवसर पर पर्यावरण सुरक्षा तथा भू रक्षण बारे जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे की कुरीतियों और पर्यावरण संरक्षण के बारे में भी लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा जन कल्याणकारी नीतियों एवं कार्यक्रम की जानकारी देने के लिए प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। शिविर में खंड विकास अधिकारी कण्डाघाट राजेश ठाकुर, पुलिस थाना प्रभारी बीर सिंह नेगी, बाहरा विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक सुशील चौधरी छात्र-छात्राएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह की सदस्य सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शाहपुर विधानसभा में ब्लॉक स्तरीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

0-5 वर्ष आयु वर्ग के 11,324 बच्चों को दी जाएगी पोलियो की खुराक : केवल सिंह पठानिया

शाहपुर । शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने आज शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत प्राइमरी हेल्थ सेंटर चढ़ी में ब्लॉक स्तरीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ बच्चों को पोलियो की दो बूंदें पिलाकर किया।

इस अवसर पर उन्होंने बताया कि आज पूरे प्रदेश में एक साथ पल्स पोलियो अभियान चलाया जा रहा है। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 11,324 बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए क्षेत्र में 102 बूथ स्थापित किए गए हैं तथा 204 टीमें गठित की गई हैं, जिनमें 408 टीम सदस्य और 20 सुपरवाइजर शामिल हैं।

उपमुख्य सचेतक ने बच्चों के अभिभावकों से आह्वान किया कि वे इस अभियान को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग दें। उन्होंने कहा कि यदि किसी कारणवश कोई अभिभावक अपने बच्चे को निर्धारित दिन पर खुराक नहीं दिला पाता है, तो अभियान के दूसरे और तीसरे दिन स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर 30,521 घरों का सर्वे करेंगी और यह सुनिश्चित करेंगी कि 0ङ्क5 वर्ष आयु वर्ग का कोई भी बच्चा पोलियो खुराक से वंचित न रहे। उन्होंने अभियान में

लगे सभी स्वास्थ्य कर्मियों और स्टाफ से सेवा एवं समर्पण भाव से कार्य करने का आग्रह किया। इस अवसर पर शाहपुर की खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. कविता ठाकुर ने उपमुख्य सचेतक का स्वागत किया और अभियान की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में सीएमओ कांगड़ा डॉ विवेक करोल,पीएचसी चढ़ी के चिकित्सक, अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी तथा अभियान में शामिल सभी टीम सदस्य उपस्थित रहे।

सोलन ज़िला में ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन के संबंध में अधिसूचना जारी

सोलन । उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के पंचायती राज विभाग द्वारा सोलन ज़िला में ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन के संबंध में अधिसूचना जारी कर आक्षेप एवं सुझाव आमंत्रित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि आक्षेप एवं सुझाव अधिसूचना जारी होने की तिथि से 07 दिनों के भीतर उपायुक्त सोलन को प्रस्तुत करने होंगे। उन्होंने ज़िला के सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए है कि इस अधिसूचना की जानकारी सम्बन्धित ग्राम पंचायतों में दें ताकि समय पर आक्षेप एवं सुझाव प्राप्त हो सके।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालय: बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

साहिबजादों की शहादत को वीर बाल दिवस के रूप में नाम देना सिख रिवाजों और सिद्धांतों के साथ मेल नहीं खाता: संधवां

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विधान सभा स्पीकर श्री कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि समूचा सिख भाईचारा साहिबजादों का सम्मान करता है और उन्हें 'बाबा' का खिताब देता है क्योंकि साहिब श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों ने छोटी उम्र में ही बड़ी और महान कुर्बानियां दी थीं।

साहिबजादों की अनुपम शहादत किसी एक देश, भाईचारे या एक विचारधारा तक सीमित नहीं है। स्पीकर संधवां ने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्र स्तर पर साहिबजादों की शहादत मनाने की भावनाओं का सम्मान करते हैं, लेकिन साहिबजादों की शहादत को वीर बाल दिवस के रूप में याद करना सिख धर्म की परंपराओं और सिद्धांतों से मेल नहीं खाता। हमें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री सिख भाईचारे की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए साहिबजादों के शहीदी दिवस के नाम संबंधी उचित फैसला लेंगे। उन्होंने कहा कि इस तरह साहिबजादों की शहादत की वीर गाथा हमारे बच्चों के मनों में बसेगी और साथ ही राष्ट्र की भावनाओं का सम्मान भी कायम रहेगा।

युद्ध नशों विरुद्ध': 295वें दिन, पंजाब पुलिस ने 151 नशा तस्करों को 3.1 किलोग्राम हेरोइन सहित किया गिरफ्तार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा राज्य में से नशों के खात्मे के लिए चलाई मुहिम "युद्ध नशों विरुद्ध" के लगातार 295वें दिन पंजाब पुलिस ने 366 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके परिणामस्वरूप पूरे राज्य में 151 नशा तस्करों को गिरफ्तार करके 122 एफआईआर दर्ज की गईं। इसके साथ ही, 295 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 41,207 हो गई है।

छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे में से 3.1 किलो हेरोइन, 2454 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 18,560 रुपये की ड्रग मनी बरामद हुई है।

जिक्रयोग्य है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और सीनियर पुलिस सुपरिंटेंडेंट को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए कहा है। पंजाब सरकार ने नशों के खिलाफ जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी का गठन भी किया है।

जिक्रयोग्य है कि 70 गजटिड अधिकारियों की निगरानी के तहत 1000 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 120 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 366 छापे मारे हैं। पुलिस टीमों ने दिन भर चले इस ऑपरेशन के दौरान 364 संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग भी की।

राज्य सरकार ने पंजाब में से नशों के खात्मे के लिए तीन-पक्षीय रणनीति - इन्फोर्समेंट, डी-एडिक्शन एंड प्रीवेंशन - लागू की है। पंजाब पुलिस ने 'नशा मुक्ति' के हिस्से के रूप में आज 9 व्यक्तियों को नशा मुक्ति और पुनर्वास का इलाज करवाने के लिए राजी किया है।

वर्ष 2025 के दौरान वित्तीय समझदारी और डिजिटल नवाचार से 'रंगला पंजाब' विज़न को मिला बल: हरपाल सिंह चीमा*

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। वित्त विभाग की वार्षिक रिपोर्ट पेश करते हुए पंजाब के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां बताया कि वर्ष 2025 मजबूत वित्तीय प्रबंधन, मजबूत बुनियादी ढांचा निवेश और क्रांतिकारी डिजिटल सुधारों वाला वर्ष रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वित्त विभाग अब केवल 'फंड वितरण करने वाला' विभाग नहीं रहा, बल्कि 'नवीनता (इनोवेशन) का संचालक' बन गया है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की 'जन-हितैषी' दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी खजाने का उपयोग हमेशा आम लोगों की सेवा और भलाई के लिए हो। उन्होंने कहा कि चाहे बाढ़ से फसलों के नुकसान के लिए किसानों को दिए गए 968 करोड़ रुपये का सवाल हो या फिर पंजाब अनुसूचित जातियां भूमि विकास एवं वित्त निगम (पी.एस.सी.एफ.सी) के ऋण माफी कार्यक्रम के तहत 4,650 लाभार्थियों की ऋण माफी का मामला, आम आदमी पार्टी ('आप') सरकार हर पंजाबी के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि 'आप' सरकार द्वारा लोक कल्याण के हित में सरकारी सेवाओं की डोरस्टेप डिलीवरी की फीस भी 120 रुपये से घटाकर केवल 50 रुपये कर दी गई है, ताकि लोग इसका अधिक से अधिक लाभ ले सकें।

घरेलू उपभोक्ताओं को हर दो महीने के बिल के पीछे दी जा रही 600 यूनिट (प्रति माह 300 यूनिट) मुफ्त बिजली का जिक्र करते हुए वित्त मंत्री चीमा ने कहा कि इस सुविधा के तहत 90 प्रतिशत घरेलू उपभोक्ता मुफ्त बिजली का लाभ ले रहे हैं और राज्य सरकार ने सितंबर 2025 तक की बिजली सब्सिडी के सभी बकाया भी क्लियर कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि छठा पंजाब वेतन आयोग 1 जुलाई, 2021 से लागू किया गया था, जिसके पिछली सरकार द्वारा अदा न किए गए 14,191 करोड़ रुपये के बकाया के भुगतान के लिए भी पंजाब सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में संरचनात्मक तरलता (लिकवीडेशन) योजना के अनुसार बकाया की अदायगी पहले ही शुरू कर दी है, जिससे 6 लाख कर्मचारियों और पेंशनरों को लाभ होगा।

हम युवाओं को भविष्य की ज़रूरतों के लिए तैयार कर रहे हैं, जबकि अकाली युवाओं को डायनासोर युग में खींचना चाहते हैं: मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ

धूरी(ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा है कि जहाँ राज्य सरकार पंजाबी युवाओं को डॉक्टर और इंजीनियर बनाकर भविष्य की ज़रूरतों के लिए तैयार करने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है, वहीं अकाली दल राज्य को डायनासोर युग में वापस खींचने पर तुला हुआ है।

आज यहाँ पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'आप' सरकार पंजाब के युवाओं को डॉक्टर और इंजीनियर बनाने की दिशा में काम कर रही है ताकि वे जीवन में सफल हो सकें। उन्होंने कहा कि अकाली दल, जिसने राज्य में नशों को लाकर युवाओं को बर्बाद किया, अब पंजाब को डायनासोर युग में वापस ले जाना चाहता है। व्यंग्यात्मक लहजे में भगवंत सिंह मान ने कहा कि अकालियों का 'डायनासोर' असल में हवा से भरा एक प्लास्टिक का खिलौना है, जिसे लोग जल्द ही उड़ा देंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में सरकारी स्कूलों में हुई मेगा शिक्षक-अभिभावक बैठकों (मेगा पी.टी.एम.) में 23.3 लाख अभिभावकों की भागीदारी एक बेहद सकारात्मक संकेत है, जो पंजाब के उज्ज्वल भविष्य को दर्शाती है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह एक मिसाल कायम करने वाला बदलाव है, क्योंकि पहले ऐसी बैठकें केवल निजी स्कूलों में होती थीं, जबकि सरकारी स्कूलों में यह व्यवस्था लगभग नदारद थी। उन्होंने कहा कि यह विद्यार्थियों की भलाई के लिए अपनाई जा रही सबसे बेहतरीन पहलों में से एक है।

न्यूज़ीलैंड में नगर कीर्तन के विरोध के संबंध में पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार को यह मामला न्यूज़ीलैंड सरकार के समक्ष उठाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि न्यूज़ीलैंड एक शिक्षित देश है, लेकिन प्रवास का मुद्दा एक वैश्विक चिंता बन चुका है। भगवंत सिंह मान ने पंजाब और पंजाबियों के हितों की रक्षा के लिए राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने धूरी विधानसभा क्षेत्र की पंचायतों के साथ बैठक कर विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। चुने हुए प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें गाँवों और लोगों की समस्याओं को समझना चाहिए और उनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। भगवंत सिंह मान ने इस बात पर ज़ोर दिया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का पूरा उपयोग किया जाए, ताकि ज़रूरतमंदों को रोज़गार मिल सके और विकास कार्य कुशलता से पूरे किए जा सकें।

मुख्यमंत्री ने सरपंचों से अपील की कि विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जाएँ और किसी प्रकार की शिकायत की गुंजाइश न रहे। उन्होंने सरपंचों, पंचायतों, पंचायत समितियों और ज़िला परिषद के नवनिर्वाचित सदस्यों से दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विकास पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार का उद्देश्य हर गाँव को शहरों के बराबर सुविधाएँ उपलब्ध कराना है।

- मेगा पी.टी.एम. की सफलता राज्य में शिक्षा क्रांति का प्रतीक
- धूरी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की समीक्षा की गई

वन एवं वन्यजीव संरक्षण विभाग: वर्ष 2025 का लेखा-जोखा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रदेश भर में वन क्षेत्र के अंतर्गत रकबे में वृद्धि के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरित पर्यावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक के नेतृत्व में वन एवं वन्यजीव संरक्षण विभाग ने वर्ष 2025 के दौरान कई महत्वपूर्ण पहलें शुरू की हैं।

इन महत्वपूर्ण पहलों में 8 वन एवं प्रकृति जागरूकता पार्कों का विकास शामिल है। इनमें से ग्रीनिंग पंजाब मिशन के तहत चार पार्क पठानकोट में, 2 पटियाला में तथा 1-1 अमृतसर और होशियारपुर में विकसित किए जा रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक के नेतृत्व में वन एवं वन्यजीव संरक्षण विभाग इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य कर रहा है। उल्लेखनीय है कि पठानकोट में गांव घरोटा में 0.50 हेक्टेयर, गांव कटारूचक में 0.75 हेक्टेयर, हैबत पिंडी में 0.60 हेक्टेयर क्षेत्र में पंचायत भूमि पर तथा आई.टी.आई. बमियाल में पर्यावरण पार्क विकसित किए जा रहे हैं। इसी प्रकार पटियाला में बैरन माइनर सहित दो स्थानों पर पर्यावरण पार्क विकसित किए जा रहे हैं। अमृतसर में गांव जगदेव कलां में पर्यावरण पार्क बनाया जा रहा है, जबकि होशियारपुर के बसी पुरानी में एक वन चेतना प्रगति पर है।

हैबत पिंडी में पार्क के संबंध में इंटरलॉकिंग टाइलों वाले नेचर ट्रेल का कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि झूलों और ओपन एयर शेल्टर (गज़ेबो) की स्थापना इस समय चल रही है। घरोटा में भी इंटरलॉकिंग टाइलों वाले नेचर ट्रेल का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा झूलों और ओपन एयर शेल्टर (गज़ेबो) की स्थापना जारी है। गांव कटारूचक में इंटरलॉकिंग टाइलों वाले नेचर ट्रेल और झूलों की स्थापना का कार्य भी तेज़ी से चल रहा है।

राज्य सरकार का यह सदैव प्रयास रहा है कि अधिक से अधिक हरियाली सुनिश्चित की जाए और साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण संरक्षण के उपाय किए जाएं। इसी क्रम में वन एवं वन्यजीव संरक्षण विभाग, पंजाब ने 'पंजाब प्रोटेक्शन ऑफ ट्रीज़ एक्ट, 2025' का मसौदा तैयार किया है, जिसका उद्देश्य हरित आवरण बनाए रखना, पर्यावरणीय संतुलन सुनिश्चित करना तथा पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के साथ-साथ मिट्टी संरक्षण करना है।

यह अधिनियम पंजाब के सभी शहरी क्षेत्रों में लागू होगा। अधिनियम के अनुसार नगर परिषद, नगर निगम, अधिसूचित क्षेत्र समिति, टाउन एरिया समिति या किसी भी शहरी विकास प्राधिकरण/इकाई की सीमाओं में यह लागू होगा। इसमें एक ट्री ऑफिसर का भी प्रावधान है, जिसका अर्थ है पंजाब में शहरी स्थानीय निकायों में एक कार्यकारी अधिकारी या राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित कोई अन्य अधिकारी। इस अधिनियम को वित्त विभाग द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2025-26 के दौरान 'श्री गुरु तेग बहादुर जी हरियावल संकल्प' के तहत प्रत्येक जिले में वन महोत्सव मनाने के साथ-साथ हर जिले में 3.50 लाख पौधे लगाने का अभियान भी शुरू किया गया है।

ऑर्गेनिक उगाए, ऑर्गेनिक खाओ कार्यशाला का आयोजन

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आज जो कैंसर की बीमारी तेजी से बढ़ रही है, इसके पीछे बाजार में मिल रहे दूषित खाद्य पदार्थों का सेवन करना है। इससे बचने के लिए ऑर्गेनिक खान-पान को ही अपनाना आवश्यक है। ये बात आज ऑर्गेनिक शेयरिंग और चंडीगढ़ियन सोशल ग्रुप द्वारा ऑर्गेनिक उगाओ, ऑर्गेनिक खाओ विषय पर आयोजित एक कार्यशाला में सामने आई।

वक्ताओं ने ऑर्गेनिक पर जोर देते हुए कहा कि इसी से हर घर कैंसर बीमारी पर अंकुश लगाया जा सकता है। आज हमारे आसपास हर जगह दूषित खानपान का चलन हो गया है। खेतों में भी रसायनों द्वारा खेती की जा रही ताकि जल्द से जल्द और अधिकतम उपज ली जा सकी। इसमें लालच और मजबूरी दोनों ही है।

जिसको किचन गार्डन लगा कर थोड़ी थोड़ी मात्रा में ही सही घर पर कुछ अपनो के लिए गमलों आदि में भी कुछ अच्छा उगा कर भोजन में इस्तेमाल कर सकते है। आज कई लोग है जो ऑर्गेनिक खेती की तरफ बढ़े है जिसमें पूरी तरह से ऑर्गेनिक फसल उगा रहे है।

इस जानकारी में भाग लिया भावना चड्ढा, जितेंद्र कौर, सुरभि अलीपुरिया, अभियंता विरंजित, अभियंता रमेश सोहिल, मलकीत सिंह, अभिषेक राहुल महाजन, राज चड्ढा, गौशाला 45 के प्रबंधकों ने भी भाग लिया और फ्री ऑर्गेनिक सब्जियों का वितरण भी किया गया।

बाल भिक्षा मुक्त पंजाब की ओर मान सरकार के कदम और तेज: डॉ. बलजीत कौर

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान की अगुवाई में राज्य सरकार बाल भिक्षा जैसी गंभीर सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। इस संबंध में सामाजिक सुरक्षा, महिला और बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि मोहाली जिले में क्षेत्रीय सामाजिक सुरक्षा टीम ने पिछले तीन दिनों में 31 भिक्षा मांगते बच्चों को रेस्क्यू किया, जो जीवनजोत मुहिम की बड़ी सफलता है।

- जीवनजोत मुहिम की बड़ी सफलता, मोहाली में तीन दिनों में 31 भिक्षा मांगते बच्चों का रेस्क्यू

इस संबंधी ओर जानकारी देते हुए डॉ. बलजीत कौर ने आगे बताया कि 17 अगस्त से अब तक मोहाली जिले में कुल 68 भिक्षा मांगते बच्चों को बचाया गया है, जिससे मोहाली राज्य भर में सबसे अधिक भिक्षा मांगने वाले बच्चों का रेस्क्यू करने वाला जिला बन गया है।

मंत्री ने बताया कि जिला बाल भलाई कमेटी द्वारा दस्तावेजों की जांच के बाद तीन बच्चों को उनके अभिभावकों को सौंप दिया गया, जबकि बाकी 28 बच्चों को उनके दस्तावेजों की जांच पूरी होने तक बाल गृहों में रखा गया, जहां उनके रहने, खाने-पीने और सुरक्षा का पूरा प्रबंध है।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि अब तक राज्य भर में कुल 807 भिक्षा मांगते बच्चों को रेस्क्यू करके पुनर्वास प्रक्रिया से जोड़ा गया है, जो मान सरकार की बालहितैषी और संवेदनशील नीति का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जीवनजोत मुहिम सिर्फ रेस्क्यू तक सीमित नहीं है, बल्कि हर बच्चे को सड़क से स्कूल और सुरक्षित भविष्य की ओर ले जाने की एक सफल पहल है। रेस्क्यू के बाद बच्चों की स्वास्थ्य जांच, काउंसलिंग, शिक्षा मुहैया कराना और पारिवारिक पुनर्वास को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि कोई भी बच्चा फिर से सड़क पर भिक्षा मांगने के लिए मजबूर न हो।

मंत्री ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि यदि कोई व्यक्ति या समूह बाल भिक्षा या बाल तस्करी में शामिल पाया गया, तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. बलजीत कौर ने प्रदेश के लोगों से अपील की कि बाल भिक्षा जैसी सामाजिक बुराई को खत्म करने में सरकार का सहयोग करें और यदि कोई बच्चा भिक्षा मांगता दिखाई दे, तो भिक्षा देने की बजाय चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर तुरंत सूचना दें, ताकि हर बच्चा भिक्षा नहीं, बल्कि शिक्षा और सम्मानित जीवन की ओर बढ़ सके।

पंजाब सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में ए.आई.-आधारित करियर गाइडेंस प्रोग्राम लागू

हरजोत सिंह बैंस द्वारा 25 स्कूलों में पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के शिक्षा मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि सभी छात्रों को करियर गाइडेंस संबंधी समान अवसर प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंजाब सरकार ने अपनी सरकारी स्कूल शिक्षा प्रणाली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.)-आधारित करियर गाइडेंस को एकीकृत करने की अपनी तरह की अनोखी पहल की शुरुआत की है। पायलट चरण के तहत सरकारी और पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड (पी.एस.ई.बी.) से मान्यता प्राप्त स्कूलों में 25 ए.आई.-आधारित करियर गाइडेंस लैबोरेटरीज का उद्घाटन किया गया है।

श्री हरजोत सिंह बैंस ने सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नंगल और सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल (लड़कियां), श्री आनंदपुर साहिब

में एक साथ इन लैबोरेटरीज का उद्घाटन करके इस पहलकदमी की शुरुआत की। एजूकेशन-टेक पार्टनर 'बियोंड मेंटर' के सहयोग से लागू किया गया यह प्रोग्राम प्रदेश के छात्रों को मुफ्त करियर गाइडेंस देगा।

श्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि इस पहलकदमी का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को सही समय पर सही साधनों से सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत कवर किए गए 25 स्कूलों की कार्यक्षमता, छात्रों के परिणाम और कार्य-कुशलता की निकट से निगरानी की जाएगी। इस पहलकदमी के सफलतापूर्वक लागू होने पर पंजाब भर में इसके चरणबद्ध विस्तार के लिए रास्ता साफ हो जाएगा, जिससे पंजाब अपने सार्वजनिक शिक्षा ढांचे में योजनाबद्ध ए.आई.-आधारित करियर गाइडेंस को शामिल करने वाले देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो जाएगा। यह पहलकदमी मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की 21वीं सदी की अर्थव्यवस्था की जरूरतों के मुताबिक अपने छात्रों को तैयार करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि करियर गाइडेंस की सुविधा केवल अमीरों का हक नहीं होनी चाहिए और हम इसी पक्ष को ध्यान में रखते हुए सरकारी स्कूलों में संरचनात्मक, ए.आई.-आधारित काउंसलिंग सुविधा प्रदान करके यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर बच्चे, चाहे उसका सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो, को अपने भविष्य के बारे में अपनी मर्जी के अनुसार चुनाव का मौका मिले।

ए.आई.-आधारित लैबोरेटरीज़ की कार्य प्रक्रिया के बारे में जानकारी साझा करते हुए शिक्षा मंत्री ने बताया कि छात्रों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ए.आई.-आधारित योग्यता और रुचि के मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजरना होगा। यह सिस्टम एक व्यक्तिगत करियर रिपोर्ट तैयार करेगा, जिसमें छात्र की संभावित शैक्षणिक और व्यावसायिक रुचियों को उजागर किया जाएगा।

विकास का वर्ष रहा लोक निर्माण विभाग के लिए वर्ष 2025-26 बड़े पैमाने पर सड़कों एवं पुलों का निर्माण करवाया गया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा प्रदेश को रंगला पंजाब बनाने की दिशा में तथा इसके सर्वपक्षीय विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी के तहत पंजाब सरकार के लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रदेश के निवासियों के लिए बेहतरीन सड़क नेटवर्क उपलब्ध करवाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए पंजाब के लोक निर्माण मंत्री स. हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 840 किलोमीटर लंबाई की सड़कों के निर्माण पर 663 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है, जिसमें से 501.76 किलोमीटर के निर्माण का काम पूरा हो चुका है। इस स्कीम के अंतर्गत 334.31 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 31 पुलों के निर्माण पर 155 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है जिसमें से 29 पुलों के निर्माण का काम प्रगति के अधीन है जिनमें से 2 का काम पूरा हो गया है। इस स्कीम के अंतर्गत 30.99 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 विभाग के लिए विकास का वर्ष रहा है। उन्होंने बताया कि नाबार्ड के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 125 किलोमीटर सड़कों एवं 10 पुलों के निर्माण पर 192 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है। इस योजना के तहत 52 किलोमीटर सड़कों तथा 8 पुलों के काम पहले ही पूरे हो चुके हैं।

लोक निर्माण मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 641 किलोमीटर लंबाई की सड़कों के निर्माण पर 600 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है जिसमें से 273.96 किलोमीटर के निर्माण का काम पूरा हो चुका है। इस स्कीम के अंतर्गत 243.00 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान नेशनल हाईवेज के अंतर्गत आने वाली 70 किलोमीटर लंबाई की सड़कों के निर्माण पर 430 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है जिसमें से 32.39 किलोमीटर के निर्माण का काम पूरा हो चुका है। इस स्कीम के अंतर्गत 351.46 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

लोक निर्माण विभाग ने 1543 करोड़ रुपये की लागत से 10262 किलोमीटर लिंक सड़कों की विशेष मरम्मत/आधुनिकीकरण के लिए मुहिम शुरू की है। बताने योग्य है कि संबंधित मार्केट कमेटियों में काम पहले ही शुरू हो चुके हैं। इसके अलावा 2920 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 7767 किलोमीटर लिंक सड़कों को चौड़ा करने, आधुनिकीकरण तथा नई कनेक्टिविटी का काम भी शुरू कर दिया गया है। इन कार्यों के लिए बोलियां मांगी गई हैं तथा काम जल्द ही शुरू होने की संभावना है।

राजमार्गों/एम.डी.आर./ओ.डी.आर. जैसी प्लान रोड्स (सड़कों) की महत्ता को ध्यान में रखते हुए 2363 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 2834 किलोमीटर प्लान रोड्स की अपग्रेडेशन के लिए एक विशेष कार्यक्रम तैयार किया गया है।

महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल, चंडीगढ़ का वार्षिक समारोह धूमधाम से संपन्न

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल, एमडीएवी भवन, दरिया, चंडीगढ़ का वार्षिक समारोह बड़े ही हर्षोल्लास और भव्यता के साथ श्रीमती सकिंद्रा देवी मल्टी मीडिया हॉल में संपन्न हो गया है। इस अवसर पर विद्यालय का वातावरण उत्साह, रंगारंग प्रस्तुतियों और सांस्कृतिक गरिमा से सराबोर रहा। समारोह का शुभारंभ एनआरआई सुदर्शन गर्ग एवं एनआरआई अनीता गर्ग, शिकागो, अमेरिका द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी, नई दिल्ली के सचिव रविंद्र तलवाड़ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेम विज ने की जबकि अनिल दुबे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत बैंड की मधुर धुनों और तिलक समारोह के साथ किया गया। गायत्री मंत्र के उच्चारण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कक्षा चौथी के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कक्षा पाँचवीं द्वारा प्रस्तुत

"सेल्फिश जाइंट" नाटक, कक्षा चौथी का मोबाइल फोन पर आधारित नाटक, कक्षा सातवीं का पद्मावती नाटक तथा कक्षा आठवीं का माइम दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहे। इसके अलावा कक्षा छठी की बालिकाओं का नृत्य, आठवीं एवं नौवीं कक्षा का ओल्ड एज डांस, शिक्षा के मूल्य पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियों ने सामाजिक संदेश दिया। हरियाणवी नृत्य, गिद्दा और रंगारंग लोक नृत्यों ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. विनोद शर्मा ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि रविंद्र तलवाड़ ने विद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह विद्यालय किसी ग्रामीण क्षेत्र का नहीं, बल्कि पूर्णतः एक आधुनिक शहरी विद्यालय का स्वरूप प्रस्तुत करता है, जहाँ विद्यार्थियों को सभी आवश्यक एवं उन्नत सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। पूर्व उपमहापौर अनिल दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि यह विद्यालय राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सुप्रसिद्ध साहित्यकार प्रेम विज ने कहा कि यह वार्षिक समारोह एक स्मरणीय उत्सव बन गया है। विद्यालय के संरक्षक सुदर्शन गर्ग ने समारोह के सफल आयोजन के लिए सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं दर्शकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस शानदार कार्यक्रम के लिए शिक्षकों को बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान जेपी राणा, महेंद्र दुबे, ओपी यादव, नीरज कुमार, विनय आदि भी उपस्थित रहे।

संपादकीय

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले और भारत की बढ़ती चिंता

बांग्लादेश में अराजकता फिर से अपने पांव पसारने लगी है। हाल ही में वहां एक प्रमुख नेता की गोली मारकर हत्या कर दिए जाने के बाद शुरू हुए हिंसक प्रदर्शनों से कई जगह हालात तनावपूर्ण हो गए हैं। इस बीच अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदू समुदाय की सुरक्षा को लेकर भी खतरा पैदा हो गया है। वहां गुरुवार को ईशनिंदा के आरोप में एक हिंदू व्यक्ति की पीटकर हत्या कर दी गई और उसके शव को आग लगा दी गई। इससे स्पष्ट है कि बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का विरोध करने वालों के साथ-साथ अल्पसंख्यकों को भी निशाना बनाया जा रहा है।सवाल है कि वहां अंतरिम सरकार का जिस मकसद से गठन किया गया था, क्या वह चरमपंथियों के दबाव में अपना उद्देश्य भूल गई है? आखिर क्या वजह है कि वहां न तो कानून-व्यवस्था दुरुस्त हो पा रही है और न ही लोकतांत्रिक तरीके से सरकार चुनने का मार्ग प्रशस्त हो पा रहा है? अस्थिरता और हिंसा के इस माहौल में बांग्लादेश-भारत के संबंध भी लगातार चुनौतीपूर्ण होते जा रहे हैं।बांग्लादेश में शरीफ उस्मान हादी नामक जिस नेता की गोली मारकर हत्या की गई, वह जुलाई में सरकार के विरुद्ध हुए प्रदर्शनों में प्रमुख चेहरा थे। सरकार की ओर से गुरुवार को उनकी मौत की पुष्टि किए जाने के बाद कई जगह हिंसक प्रदर्शन शुरू हो गए।कुछ लोगों ने भारतीय सहायक उच्चायुक्त के आवास पर भी ईंट और पत्थरों से हमला किया। इससे पहले बांग्लादेश के कुछ राजनेताओं ने जिस तरह भारत के खिलाफ भड़काऊ बयान दिए, उसका सीधा असर भारत के साथ उसके संबंधों पर पड़ा है।बांग्लादेश में सुरक्षा का माहौल जिस तेजी से बिगड़ रहा है और पहले भी पूर्वोत्तर भारत के कुछ अलगाववादी समूहों ने बांग्लादेश में शरण ली है, उसके मद्देनजर भारत की चिंता स्वाभाविक है।फिलहाल बांग्लादेश में जिस तरह की अराजकता फैली हुई है।

वन्यजीवों के आतंक के साए में उत्तराखंड

हिमालयी राज्य उत्तराखण्ड का समृद्ध वन्यजीव संसार लगता है राज्यवासियों के लिए संकट का कारण बनता जा रहा है। उत्तराखंड के पहाड़ अभी मानसून की विनाशकारी आपदाओं की मार से पूरी तरह उबरे भी नहीं थे कि जंगलों से सटे इलाकों में जंगली जानवरों का आतंक नई मुसीबत बनकर सामने आ गया। पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, टिहरी, पिथौरागढ़ और चमोली जैसे जिलों में गुलदार, भालू और हाथियों के हमले इतने बढ़ गए हैं कि शाम ढलते ही गांवों में अघोषित कर्फ्यू जैसे हालात बन जाते हैं। कई स्कूल बंद कर दिए गए हैं। बच्चे स्कूल नहीं जा पाते, अभिभावक खुद ड्यूटी देते हैं। यहां तक कि शादी-ब्याह जैसे सामाजिक आयोजन भी स्थगित हो रहे हैं। लेकिन खतरा सिर्फ इन बड़े शिकारियों तक सीमित नहीं है। बंदर, लंगूर और जंगली सूअर भी पहाड़ों में खेती को असंभव बना रहे हैं। अब तो बंदर भी हमलावर हो गए हैं। बंदरों द्वारा कई ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं।

(जयसिंह रावत)

अब रही सही खेती छोड़ने की नौबत आ गई है, क्योंकि कई पहाड़ी गावों में दिन में भी खेतों की रखवाली करना अब जान जोखिम में डालने जैसा हो गया है। स्थिति इतनी गंभीर है कि गढ़वाल के संसद अनिल बलूनी और महेंद्र भट्ट ने यह मुद्दा संसद में भी उठाया है।

- गढ़वाल के संसद अनिल बलूनी और महेंद्र भट्ट ने केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री से मुलाकात कर बताया कि भालुओं के हमले पहली बार इतनी बड़ी संख्या में सामने आए हैं, जो बेहद चिंताजनक संकेत है।
- उत्तराखंड वन विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, राज्य के लगभग 490 गांवों को मानव-वन्यजीव संघर्ष की दृष्टि से अत्यधिक संवेदनशील घोषित किया गया है।
- ये गांव मुख्य रूप से वनों से घिरे पर्वतीय जिलों जैसे पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, टिहरी, चमोली और नैनीताल आदि में स्थित हैं, जहां गुलदार, भालू, हाथी तथा बंदर और जंगली सूअर जैसे छोटे जानवरों से भी बार-बार टकराव की घटनाएं होती रहती हैं। इस बढ़ते संघर्ष का सबसे बड़ा और गहरा कारण जलवायु परिवर्तन माना जा रहा है, जो प्रकृति और मानव दोनों के लिए दोधारी तलवार बन चुका है। जलवायु परिवर्तन की वजह से मौसम का पैटर्न पूरी तरह बदल गया है। तापमान बढ़ने, बारिश के समय और मात्रा में अनियमितता तथा सूखे और बाढ़ की बढ़ती घटनाओं ने जंगलों में भोजन चक्र को बुरी तरह प्रभावित किया है। जहां पहले कुछ महीनों

में विशेष फल-फूल और शिकार उपलब्ध होते थे, अब उनकी कमी या अनुपलब्धता के कारण गुलदार, भालू और हाथी भोजन की तलाश में गांवों की ओर खिंचे चले आ रहे हैं। प्रजनन काल भी बदल गया है, जिससे ये जानवर पहले की तुलना में अधिक आक्रामक और लंबे समय तक सक्रिय रहते हैं। जलवायु परिवर्तन ने प्रवास के रास्ते और समय को भी अस्त-व्यस्त कर दिया है, जिससे जानवरों को नए क्षेत्रों में भटकना पड़ रहा है और मानव बस्तियां उनके रास्ते में आ रही हैं। वैज्ञानिक अध्ययन बता रहे हैं कि आने वाले दशकों में जलवायु परिवर्तन की वजह से उत्तराखंड में मानव-वन्यजीव संघर्ष और भी भयावह रूप ले सकता है, क्योंकि जंगल सिकुड़ रहे हैं, भोजन कम हो रहा है और जानवरों का व्यवहार तेजी से आक्रामक होता जा रहा है। इतना ही नहीं, मानव अतिक्रमण, सड़कों का जाल, हेलीकॉप्टरों की लगातार आवाजाही और कचरे के ढेर भी जानवरों को बस्तियों की ओर धकेल रहे हैं। लेकिन इन सबमें जलवायु परिवर्तन सबसे बड़ा उत्प्रेरक है, जो न सिर्फ आपदाओं की तीव्रता बढ़ा रहा है, बल्कि सीधे तौर पर वन्यजीवों के व्यवहार को बदलकर मानव जीवन को खतरे में डाल रहा है।

पलायन आयोग की रिपोर्टें पहले ही बता चुकी हैं कि पहाड़ों से पलायन के प्रमुख कारणों में वन्यजीवों का डर अब सबसे ऊपर है। जब खेती नहीं हो पा रही, मवेशी सुरक्षित नहीं और शाम को घर से निकलना भी जोखिम बन जाए, तो गांव खाली होना स्वाभाविक है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 25 वर्षों में मानव वन्यजीव संघर्ष में 1264 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है, 6519 से अधिक घायल हुए हैं और 7079 से ज्यादा हमले दर्ज हुए हैं। अकेले 2025 में ही 64 से अधिक परिवारों के चिराग बुझ चुके हैं। गुलदार सबसे खतरनाक साबित हो रहा है, जिसने 546 जानें ली हैं। भालू और हाथी भी पीछे नहीं हैं। पौड़ी गढ़वाल में तो स्थिति यह है कि 55 से अधिक स्कूल बंद या समय बदल चुके हैं, और भालू ने इस साल 53 पशुओं को मार डाला या घायल किया है। इस भयावह स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन की क्विक रिएक्शन टीमें हाई अलर्ट पर हैं, ड्रोन से निगरानी हो रही है, रेडियो कॉलरिंग की जा रही है, सौर बाड़ और खाइयां बनाई जा रही हैं, पटाखे और शोर करने वाले उपकरण बांटे जा रहे हैं। हिंसक जानवरों को ट्रैंक्विलाइज कर रेस्क्यू किया जा रहा है। लेकिन ग्रामीणों का कहना साफ है कि ये अस्थायी उपाय हैं। जब तक जलवायु परिवर्तन के असर को गंभीरता से नहीं लिया जाएगा, जंगलों को बचाने और पुनर्जनन की बड़ी योजना नहीं बनेगी, और स्थानीय समुदायों को वन्यजीव प्रबंधन में आर्थिक हिस्सेदार नहीं बनाया जाएगा, तब तक यह संघर्ष कम होने वाला नहीं। नामीबिया जैसे देशों के कम्युनल कंजर्वेंसी मॉडल से सीख लेकर अगर उत्तराखंड भी स्थानीय लोगों को वन्यजीवों से होने वाले लाभ का हिस्सा दे, तो शायद लोग जंगलों और जानवरों के दुश्मन की बजाय रक्षक बनें। उत्तराखंड जैव विविधता का खजाना है। यहाँ 102 स्तनधारी, 600 पक्षी, 19 उभयचर, 70 सरीसृप और 124 मछलियों की प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें से कई वैश्विक स्तर पर संकटग्रस्त हैं-जैसे बाघ, एशियाई हाथी, भूरा भालू, कस्तूरी मृग और हिम तेंदुआ। इन प्रजातियों का संरक्षण हिमालयी पर्यावरण के भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। किंतु मानव जीवन भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। यदि मानव और वन्यजीवों के बीच संतुलन नहीं साधा गया, तो न तो वन्यजीव सुरक्षित रहेंगे और न ही पहाड़ों का भविष्य। आज उत्तराखंड एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां एक तरफ जलवायु परिवर्तन प्राकृतिक आपदाओं को बढ़ा रहा है, तो दूसरी तरफ वही जलवायु परिवर्तन वन्यजीवों को आक्रामक और भटकाव की ओर धकेल रहा है। गुलदार, भालू, हाथी से लेकर बंदर और सूअर तक, सभी अब मानव जीवन के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। अगर अभी भी ठोस, दूरगामी और जलवायु-संवेदी नीति नहीं बनाई गई, तो देवभूमि के गांव वीरान होते देर नहीं लगेगी। यह सिर्फ वन्यजीव संरक्षण या मानव सुरक्षा का सवाल नहीं, बल्कि पूरे हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र और उस पर निर्भर सभ्यता के अस्तित्व का सवाल बन चुका है।यह लेखक के निजी विचार हैं।

तेलंगाना का अद्भुत वेंकटेश्वर मंदिर, 12 फुट की भव्य प्रतिमा और वास्तुकला का संगम

(अनन्या मिश्रा)

स्वर्णगिरी वेंकेटेश्वर स्वामी मंदिर को यदाद्री तिरुमला देवस्थानम भी कहा जाता है। तेलंगाना के भुवनगिरी में यह मंदिर मानेपल्ली हिल्स पर बना है। स्वर्णगिरि वेकेंटेश्वर स्वामी मंदिर हैदराबाद से करीब 47.3 किमी दूर है। इस मंदिर को 22 एकड़ जमीन पर बनाया गया है। जिस पहाड़ी पर यह मंदिर बनाया गया है, उसको स्वर्णगिरि नाम दिया है। इस मंदिर की डिजाइन में विजयनगर, पल्लव, चोल और चालुक्य साम्राज्यों की वास्तुकला को मिश्रण देख सकते हैं।

इस मंदिर की चारों दिशाओं में बड़े-बड़े राजगोपुरम बने हैं। बड़े-बड़े मंडप बनाए गए हैं और मंदिर गर्भगृह के ऊपर 5 मंजिला विमान गोपुरम बनाया गया है। गर्भगृह में भगवान श्री वेंकटेश्वर की 12 फुट ऊंची प्रतिमा स्थापित है, जोकि तेलंगाना की सबसे ऊंची मूर्ति मानी गई है। इस मंदिर की खूबसूरती देख लोग हैरत में पड़ जाते हैं।

मंदिर बनने की कहानी

इस मंदिर को बनाने के पीछे एक चमत्कारिक घटना जुड़ी है। प्रसिद्ध उद्योगपति श्रीमन मानेपल्ली रामाराव की पत्नी श्रीमति विजयलक्ष्मी एक गंभीर एक्सीडेंट के बाद कोमा में चली गईं। जिसके बाद डॉक्टरों ने उम्मीद छोड़ दी, लेकिन तिरुपति का पवित्र जल देने के बाद उनकी जान बच गई। इस चमत्कार के बाद परिवार ने भगवान के प्रति आभार

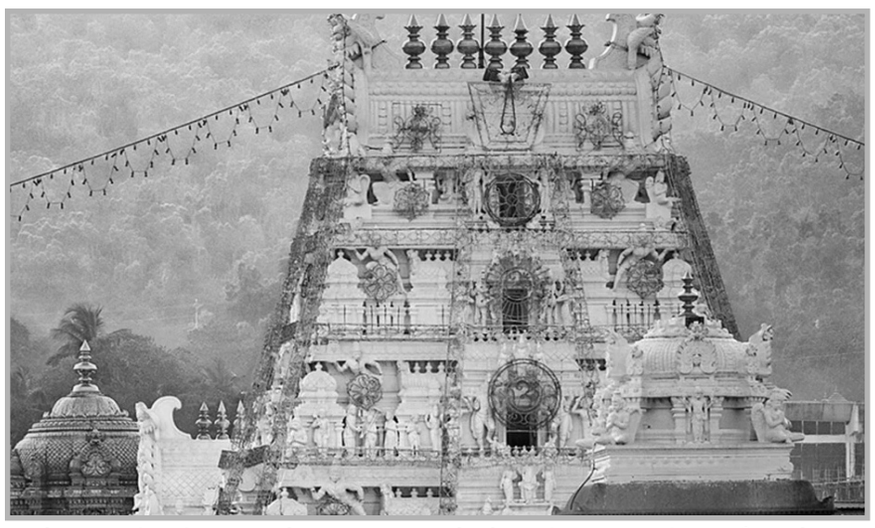

जताते हुए अपनी जमीन पर एक बेहद भव्य मंदिर बनाने का फैसला किया। इस मंदिर को बनाने में करीब 7 साल से अधिक समय लगा।

मंदिर की खूबसूरती: स्वर्णगिरी वेंकेटेश्वर स्वामी मंदिर को बेहद भव्य तरीके से बनाया गया है। इस मंदिर के चारों ओर चार बड़े राजगोपुरम है। जोकि अंदर बने विशान मंडपों की तरफ ले जाते हैं। गर्भगृह के ऊपर 5 मंजिला विमान गोपुरम बनाया गया है। जो दूर से ही मंदिर की सुंदरता को अधिक बढ़ा देता है। वहीं गर्भगृह के अंदर भगवान श्री वेंकटेश्वर की 12 फुट ऊंची प्रतिमा है। यह तेलंगाना की सबसे बड़ी मूर्ति मानी जाती है।

इस मंदिर में 120 फुट ऊंचा हनुमान मंडप है, वहीं 40 फुट ऊंची एक ही पत्थर से बनी हनुमान प्रतिमा भी स्थापित है। इसके अलावा यहां पर भारत की दूसरी सबसे बड़ी कांसे की घंटी है। जिसका वजन करीब 1.5 टन है। मंदिर का जला नारायण स्वामी सन्निधि शाम की रोशनी में बेहद खूबसूरत लगता है। ?मंदिर खुलने का समय- सुबह 5.00 बजे भूपाली और अभिषेक का समय- सुबह 05.00 बजे से 06.30 बजे तक मंदिर का ब्रेक टाइम- दोपहर 12.30 बजे से 30 बजे तक शेजआरती (रात की अंतिम आरती)- रात 09.00 बजे आरती, नैवेद्य और महाप्रसाद वितरण- दोपहर 01.30 बजे से 2.30 बजे तक

बता दें कि यह जगह बेहद दिव्य और आध्यात्मिक माहौल से भरी है। आप पूरे साल में कभी भी यहां आ सकते हैं। लेकिन यहां पर घूमने का सबसे अच्छा समय बारिश और सर्दियों का मौसम माना जाता है। मॉनसून के दौरान यहां हल्की तेज बारिश होती है, जिससे आसपास हरियाली और भी सुंदर लगती है। बारिश के बाद यहां का माहौल स्वर्ग जैसा सुंदर बन जाता है।

ऐसे पहुंचे मंदिर

मंदिर के सबसे पास हैदराबाद एयरपोर्ट है। जोकि मंदिर से करीब 76 किमी दूर है। आप यहां पर टैक्सी लेकर आसानी से मंदिर पहुंच सकते हैं।

वहीं स्वर्णगिरि मंदिर के पास भोंगिर जंक्शन रेलवे स्टेशन है। आप सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से भोंगिर पहुंच सकते हैं। सिकंदराबाद जंक्शन मंदिर से करीब 44 किमी दूर है। आप यहां पर टैक्सी या कैब से आसानी से मंदिर पहुंच सकते हैं।

वहीं आप सड़क रास्ते से भी मंदिर पहुंच सकते हैं। हैदराबाद से आप कार या फिर स्थानीय बस से भुवनगिरी पहुंच सकते हैं। यहां से मंदिर तक का सीधा रास्ता है।

वर्ग पहेली 5950

1		2	3	4	■	5	6
	■	7			■	8	
9	10		■		■	11	
12		■	13	■	■	14	
15		16		■	17		■
■	18			■	19		■
20	■		■	■	21		22
23		■	24		■	■	

संकेतः बाएं से दाएं

1. 25 अप्रैल 1999 को इस देश के ऑल राउंडर खिलाड़ी कार्लहूपर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेअ से संयास की घोष्ण हुई (5)
5. डिवाइन कॉमेडी नामक कृति इस प्रसिद्ध लेखक की है (2)
7. धन-संपत्ति, रूपया, पैसा (3)
8. दूर के पदार्थों का संकेत करने वालाया परोक्ष वस्तुओं का सूचक शब्द (2)
9. सिंचाई आदि के साधन के लिए बनाया गया कृत्रिम जलमार्ग (3)
11. चार प्रकार की वाणी में से एक (2)
12. गुलाम, खरीदा हुआ नौकर (2)
14. क्रिकेट से संबंधित एक शब्द (3)
15. टरपैंटाइन तेल, पर्णिका (4)
17. फलों को पकाने की विधि (2)
18. ग्रीष्म अनुभूति, उष्णता (3)
19. रक्तवाहिनी नली, नस (2)
21. जिसका कोई रक्षक या मददगार हो (3)
23. धीरज, संयम, सब्र (3)
24. यह बांग्लादेश की राजधानी है (2)

ऊपर से नीचे

1. वेतन देने वाला (5)
2. म.प्र.राज्य की वाणिज्यिक राजधानी (3)
3. कद-काठी, गोखरू (2)
4. यत्न का अपभ्रंश, युक्ति, प्रयत्न (3)
5. दांव पर रखना (7)
6. यह ईरान की राजधानी है (4)
10. कामना, आरजू, मनोवांछा, तमन्ना (4)
13. गहन चिंतन करने का भाव (3)
16. विश्व में सर्वाधिक ऑक्सीजन देने वाला वृक्ष (3)
17. स्पर्शमणि (3)
20. यह मध्यप्रदेश के उत्तर-पूर्व छोर पर स्थित जिला है सोन नदी इस जिले की महत्वपूर्ण नदी है (2)
22. कोई जमा हुआ टुकड़ा (2)

वर्ग पहेली 5949 का हल

ती	ज	न	बा	ई	■	कां	गो
र्थ	■	म	न	मा	ना	■	ल
क	न	क	■	न	■	क्ष	मा
र	त	■	ता	■	का	ति	ल
■	ना	म	क	■	मा	■	■
है	सि	य	त	■	य	हू	दी
वा	क	■	व	■	नी	■	वा
न	■	पा	र	स	■	पा	ना

बैन भी नहीं रोक पाया 'धुरंधर' की रफ्तार!

(रेनू तिवारी)

यह बैन पाकिस्तानी अधिकारियों ने फिल्म में कराची के लियारी जिले में क्रॉस-बॉर्डर आतंकवाद और जासूसी की कहानियों से जुड़ी संवेदनशील ऐतिहासिक घटनाओं को दिखाए जाने पर आपत्ति के बाद लगाया था।

रणवीर सिंह की स्पाई थ्रिलर धुरंधर पाकिस्तान में एक हैरान करने वाला कल्चरल फेनोमेनन बन गई है, जबकि यह फिल्म देश में आधिकारिक तौर पर बैन है। आईएएनएस की रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म को रिलीज़ के पहले दो हफ़्तों में कम से कम 2 मिलियन बार गैर-कानूनी तरीके से डाउनलोड किया गया है, जिससे यह पाकिस्तान के हाल के इतिहास में सबसे ज़्यादा पायरेटेड भारतीय फिल्म बन गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह आंकड़ा शाहरुख खान की रईस और रजनीकांत की 2.0 जैसी पिछली हिट फिल्मों के पायरेसी नंबरों से ज़्यादा है।

धुरंधर पाकिस्तान में बैन है: यह बैन पाकिस्तानी अधिकारियों ने फिल्म में कराची के लियारी जिले में क्रॉस-बॉर्डर आतंकवाद और जासूसी की कहानियों से जुड़ी संवेदनशील ऐतिहासिक घटनाओं को दिखाए जाने पर आपत्ति के बाद लगाया था। आईएएनएस की रिपोर्ट के अनुसार, आंतरिक मुद्दों और कथित 'पाकिस्तान विरोधी' थीम के चित्रण पर अधिकारियों और विश्लेषकों की चिंताओं के कारण आधिकारिक रिलीज़ से इनकार कर दिया गया, यह फैसला बहरीन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब, ओमान और यूएई सहित कई खाड़ी देशों में भी लिया गया। इस बैन के बावजूद, धुरंधर की अंडरग्राउंड कम्युनिटी में काफी फैन फॉलोइंग है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान के लोग टोरेंट, टेलीग्राम चैनलों, वीपीएन के साथ-साथ विदेशी स्ट्रीमिंग लिंक के ज़रिए इस वीडियो को देख रहे हैं।

फिल्म के संगीत को भी अप्रत्याशित रूप से पसंद किया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक क्लिप में पाकिस्तानी राजनेता बिलावल भुट्टो जरदारी का एक कार्यक्रम में स्वागत किया जा रहा है, जबकि बैकग्राउंड में अक्षय खन्ना के किरदार पर फिल्माया गया धुरंधर का ट्रैक बज रहा है। इस वीडियो ने इसलिए ध्यान खींचा क्योंकि यह संगीत एक सार्वजनिक सभा में बजाया गया था, जबकि फिल्म खुद बैन है।

धुरंधर का अब तक का कलेक्शन

रणवीर सिंह और आदित्य धर की स्पाई थ्रिलर ने अपने 14वें दिन, दूसरे गुरुवार को भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सबसे कम कमाई की। फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 28 करोड़ रुपये की ओपनिंग की थी और 14वें दिन 23 करोड़ रुपये कमाए। इंडस्ट्री ट्रैकर एसएसीएनआईएलके के अनुसार, फिल्म का कुल कलेक्शन भारत में 460.25 करोड़ रुपये और दुनिया भर में दो हफ़्तों में 680 करोड़ रुपये है।

आज का राशिफल

मेष

आज आपको आपके कार्यक्षेत्र या दफ्तर में कुछ नए अधिकार दिए जा सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। पुत्र अथवा पुत्री के विवाह को लेकर अच्छी खबर मिल सकती है। विवाह तय होने की प्रबल संभावना है।

वृष

आज सांसारिक सुख भोगों का प्रतिनिधि है। ऐसे में आवश्यक सामान की खरीदारी में शाम तक का समय व्यतीत होगा। घर परिवार के वृद्धजनों से बहसबाजी में न उलझें। उनकी राय भी सुन लें। यह आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

मिथुन

आज आपको राज्य से सम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा से अभिभूत करेगा। व्यापार के भागीदारों का सपोर्ट मिलेगा। इसके साथ ही आपको पत्नी पक्ष से भी पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। ऋण भार में कमी के संकेत मिल रहे है। अकस्मात नुकसान का योग बन रहा है। ऐसे में आपको पूरी तरह से सावधान रहना होगा।

कर्क

आज का दिन उत्तम संपत्ति प्रदान करेगा। बहुत दिनों से रुके हुए धन की प्राप्ति करायेगा। नए संबंधों में स्थायित्व बनेगा। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में भी अच्छी सफलता मिल सकती है। हालांकि आपको इसके लिए निरंतर प्रयास करना होगा। रात्रि का समय मंगल उत्सव में प्रियजनों के साथ हर्षोल्लास में बीतेगा। मानसिक तनाव और भ्रम के कारण दैनिक कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

सिंह

आज आप अपने निकटवर्ती व अन्य लोगों की भावनाओं को पहचानें और उनके अनुसार चलने का प्रयास करें। इससे आपको आत्मसंतोष होगा। कभी-कभार दूसरों की बात सुनने में कोई परेशानी नहीं है। दुकान या कार्यालय में भी टीमवर्क के जरिए ही आप किसी समस्या का हल निकालने में सफल होंगे।

कन्या

आज का दिन करीबी लोगों से बेवजह मतभेद उत्पन्न करा सकता है। ऐसे में अपने आस पास खुशनुमा माहौल बनाने का प्रयास करें। कार्यालय में भी अकस्मात कोई नया परिवर्तन आपको आश्चर्य में डाल सकता है। महिला सहकर्मी व अधिकारी आपका सहयोग कर सकते हैं।

तुला

आज का दिन आपके लिए महान पुरुषों से मेलजोल बढ़ाने वाला रहेगा। अचानक हुए किसी उलट फेर में आपको लाभ मिल सकता है। नए कार्य में वैधानिक और तकनीकी पहलुओं पर गंभीरता पूर्वक विचार करने के बाद ही कुछ निर्णय लें। घर के पुराने लटके हुए कार्यों को बना लेने का मौका भी मिलेगा।

वृश्चिक

आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। बिजनेस के सिलसिले में किसी की सलाह लेने की आवश्यकता पड़ सकती है। दिन के दूसरे भाग में महिला मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा। मामला कार्यक्षेत्र का हो या घर का आप अपने सभी उत्तर दायित्वों को सफलतापूर्वक निभा लेंगे।

धनु

आज का दिन मिश्रित फल देने वाला है। आप अपनी पुरानी देनदारियों से मुक्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी आपके सुझावों का स्वागत होगा। कुछ आवश्यक घरेलू सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है। अपनी जेब का खास ख्याल रखें। सायंकाल का समय घरवालों के साथ व्यतीत करें।

मकर

आज का दिन विजय कारक है। बहन-भाई के विवाह इत्यादि मांगलिक समारोह में शामिल होने का अवसर मिलेगा। कोई पुराना मित्र या रिश्तेदार अचानक आपके सामने आकर खड़ा हो सकता है। यदि कोई आपसे उधार मांगे तो कदापि न दें।

कुंभ

आज का दिन राजनीतिक क्षेत्र में सफलता दिलाएगा। सक्रिय राजनीति में भाग लेने का योग बन रहा है। प्रतिस्पर्धा में प्रतिद्वंदी आपके पीछे रह जाएंगे। दोपहर के बाद से लेकर शाम तक के समय में शुभ कार्यों में किया गया खर्च यश और प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगा। पुण्य कार्यों पर भी व्यय हो सकता है।

मीन

आज आप को उत्तम संपत्ति प्राप्त हो सकती है या कोई परिलक्षित लाभ प्राप्त हो सकता है। इस दौरान खोया हुआ धन या रुका हुआ पैसा मिल जायेगा। अपनी बातचीत की शक्ति के बल पर किसी कठिन समस्या का समाधान भी हो जाएगा।

1 साल से संघर्ष कर रहे टाटा के स्टॉक में आई करीब 8 प्रतिशत की तेजी, चार्ट पैटर्न दिखा रहा और उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में पिछले एक साल संघर्ष कर रहे टाटा ग्रुप का स्टॉक टाटा एलेक्सी के शेयरों में शुक्रवार को तेजी देखने को मिली। एनएसई में टाटा ग्रुप का यह स्टॉक 7.91 प्रतिशत की उछाल के साथ 5410 रुपये के लेवल पर पहुंच कर बंद हुआ था। इससे पहले शुक्रवार को दिन में कंपनी के शेयर 5450 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए थे। आइए जानते हैं कि चार्ट पैटर्न में इसकी स्थिति कैसी? मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार टाटा एलेक्सी का टेक्निकल सेटअप उत्साहित करने वाला है। शुक्रवार यह शेयर लगातार गिरावट के ट्रेंड को रोकने में सफल रहा। इसके अलावा वैल्यूम में इजाफा देखने को मिला। इन सबके अलावा टाटा एलेक्सी ने 20-डे और 50-डे इएमए को भी हासिल कर लिया है। सितंबर 2025 के बाद पहली बार कंपनी का आरएसआई 60 के ऊपर पहुचंने में सफल रहा है। जोकि मोमेंटम में मजबूती को दर्शाता है। पिछले एक साल में जहां निफ्टी 200 में 5.85 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। तो वहीं इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 25 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। बीते तीन साल में टाटा एलेक्सी के शेयरों में 14 प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि, 5 साल से शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 230 प्रतिशत का लाभ मिला है। जबकि इस दौरान निफ्टी 200 में 102 प्रतिशत की तेजी आई है। टाटा एलेक्सी के शेयर इस साल 11 जून को एक्स-डिविडेंड ट्रेड किए थे। कंपनी ने एक शेयर पर योग्य निवेशकों को 75 रुपये का डिविडेंड दिया था। इससे पहले 2024 में टाटा ग्रुप की इस कंपनी की तरफ से 70 रुपये का डिविडेंड प्रति शेयर पर योग्य निवेशकों को बांटा गया था। इस कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 43.90 प्रतिशत और पब्लिक की हिस्सेदारी 56.10 प्रतिशत है।

8वें वेतन आयोग में रिटायर कर्मचारियों को नहीं मिलेंगेडीए बढ़ोतरी समेत कई फायदे!

नई दिल्ली, एजेंसी। 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के टर्म्स ऑफ रेफरेंस सामने आने के बाद से ही केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स के बीच कई तरह की आशंकाएं पैदा हो गई थीं। इसी बीच सोशल मीडिया पर कुछ भ्रामक मैसेज तेजी से वायरल हो गए, जिनमें दावा किया गया कि सरकार ने रिटायर कर्मचारियों के कई अहम फायदे खत्म कर दिए हैं। इन मैसेजों में डीए बढ़ोतरी, पेंशन संशोधन और भविष्य में 8वें वेतन आयोग का लाभ न मिलने जैसी बातें कही गईं, जिससे लाखों पेंशनर्स बेवजह चिंता में आ गए। वायरल मैसेज में कहा गया था कि वित्त अधिनियम 2025 के तहत केंद्र सरकार ने पेंशनर्स के लिए ड्ड हाइक और वेतन आयोग से जुड़ी सुविधाएं खत्म कर दी हैं। इतना ही नहीं, यह भी दावा किया गया कि भविष्य में पेंशनर्स को 8वें वेतन आयोग का कोई फायदा नहीं मिलेगा। फैक्ट-चेकिंग एजेंसी पीआईबी फैक्ट चेक ने इन सभी दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

मैट्रिक फेल होने के बाद घर से भाग कर दिल्ली आए

175 महीने की नौकरी की, आज हैं 3 फैक्ट्री के मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी।
मैट्रिक फेल होने के बाद अरविंद को भारी प्रताड़ना मिलने लगी। घर-परिवार, रिश्तेदार सभी दुत्कारने लगे। फिर वह घर से भाग कर दिल्ली चले आए और एक फैक्ट्री में 175 रुपये महीने के वेतन पर हेल्पर की नौकरी कर ली। लेकिन जज्बा था उद्योगपति बनने का तो ऐसा कर दिखाया। आज उनके पास तीन फैक्ट्री है। करोड़ों का टर्नओवर है। करीब 70 लोगों को नौकरी दिए हुए हैं। आइए, जानते हैं अरविंद कुमार मेहता के संघर्ष के बारे में।

बिहार के छोटे से गांव में हुआ जन्म

अरविंद कुमार मेहता का जन्म बिहार में समस्तीपुर जिले के पतेलिया गांव में हुआ है। उन्होंने गांव से कुछ किलोमीटर दूर जय प्रकाश सिंह उच्च विद्यालय, नरहन स्टेट में पढ़ाई की है। वही साल 1978 में मैट्रिक की परीक्षा दी। इस परीक्षा में फेल कर गए। इसके बाद तो उनके सर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। घर-परिवार और गांव वालों से मैट्रिक फेल का ताना मिलने लगा। हद तो तब हो गई जब उनके बाबूजी भी कहने लगे कि मैट्रिक फेल हो गए, क्या करोगे? नौकरी नहीं लगेगी।

उनके रिश्ते के एक मामा उस समय पास के बेगूसराय में एक सरकारी विभाग में एक्जीक्यूटिव इंजीनियर थे। उनका परिवार में बड़ा मान था। घर में नौकर-चाकर हर समय लगे रहते थे। उनसे हेल्प मांगने वहां गए, इस आस में कि मामा नौकरी लगवा देंगे। लेकिन वहां से भी निराशा हाथ लगी। मामा ने कहा गांव वापस चले जाओ और खेत में ढेपा (मिट्टी का ढेला) फोड़ो। तुमसे कुछ नहीं होगा। जब मैट्रिक पास नहीं कर सके तो जीवन मे क्या करोगे। इसके बाद उन्होंने तय किया कि किसी से नौकरी के लिए हेल्प नहीं मांगेंगे। जो होगा, अपने से करेंगे।

घर-परिवार और रिश्तेदारों के तानों से तंग आ कर उन्होंने एक बड़ा फैसला किया। वह था 19 दिसंबर 1979 का दिन। घर में रहने के दौरान गुल्लक में पैसे जमा करते थे। सालों-साल 10-5 पैसे डालते जाते थे। उस दिन गुल्लक तोड़ दिया। उसमें कुल जमा 600 रुपये निकले। उसे ले कर बरौनी रेलवे स्टेशन पहुंच गए और दिल्ली का टिकट कटा लिया। शाम में वहां से चलने वाली जयंती जनता एक्सप्रेस में चढ़ कर दिल्ली आ गए। यही ट्रेन आज की तारीख में वैशाली एक्सप्रेस के नाम से चलती है। हालांकि इसका शुरुआती और

गंतव्य स्टेशन बदल गया है।

दूसरी कंपनी में वेतन बढ़ा तो अरविंद ने रोहिणी सेक्टर-4 के पास विजय विहार में एक प्लॉट खरीद लिया। फिर 1987 में रजनी मेहता से इनकी शादी हुई। शादी होने के बाद भी इनका दूसरे शहरों का दौरा बदस्तूर जारी था। इसके बाद पत्नी ने कहा कब तक दूसरों का काम करोगे, अपना काम शुरू करो। तब उन्होंने अपनी कंपनी बनाने की ठानी। उस समय दिल्ली देश भर में जो बिजली सप्लाई होती थी, उसकी क्वालिटी बहुत खराब होती थी। घरों में लो-वोल्टेज की समस्या आम रहती थी। इसलिए घर-घर में वोल्टेज स्टेबलाइजर खरीदे जाते थे। बाजार में इसकी खूब मांग थी। इसे देखते हुए घर पर ही 1केवी से लेकर 5केवी तक का ट्रांसफार्मर बनाना शुरू किया। काम चल निकला। वह अपना ट्रांसफार्मर बेचने के लिए इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट बनाने वाली फैक्ट्री की विजिट करते रहते थे। उसी दौरान फरीदाबाद की एक नामी कंपनी के मालिक जो कि उन दिनो मारुति के बड़े वेंडर थे, उन्हें ढूंढते हुए आए। उनकी फैक्ट्री में मशीनें खराब हो रही थीं और उसे ठीक करने वाला कोई नहीं था। पहले उनकी मशीन की सर्विसिंग अरविंद के ही जिम्मे थी। तब उनकी फैक्ट्री जा कर उनकी मशीनें ठीक की। उसी मालिक ने कहा कि कब तक छोटा-मोटा काम करते रहोगे। तुम वेल्डिंग मशीन की फैक्ट्री डालो। एडवांस में उन्होंने पैसे दिए और आर्डर भी। 1992 में उनके बड़े बेटे अमित का जन्म हुआ था।

बस, उसी के नाम पर त्रिनगर में किराये की फैक्ट्री में अमित इंडस्ट्रियल कंट्रोल नामक कंपनी की नींव पड़ गई। अरविंद ने साल 1990 में ही घर पर ही ट्रांसफार्मर बनाने से अपना काम शुरू किया था। फिर वेल्डिंग मशीन बनाया इसके बाद केंटेनर वेल्डिंग मशीन भी बनाने लगे, जिसका उपयोग सरसों के तेल और मोबिल ऑयल के कंटेनर से लेकर तमाम डिब्बे या कंटेनर बनाने में होता है। फिर इसमें भी विस्तार किया। अब तो वह इलेक्ट्रिकल पैनल और मिनियेचर सर्किट ब्रेकर या एमसीबी की भी फैक्ट्री लगा ली। आज की तारीख में अरविंद मेहता की तीन फैक्ट्री है। करीब 70 लोगों को रोजगार देते हैं और करोड़ों रुपये का टर्नओवर हैं। इनके दो बेटे भी इन्हीं के साथ अलग-अलग फैक्ट्री का काम संभालते हैं।

पहली नौकरी 175 रुपये महीने की

जयंती जनता एक्सप्रेस से दिल्ली आने के बाद अपने एक दोस्त के पास ओखला चले गए। वहां दो-चार दिन रह कर नौकरी ढूंढे जो नहीं मिली। फिर गांव के बगल के गांव के एक व्यक्ति के साथ वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया में कई दिनों तक दिन भर भटकते रहते और फैक्ट्री-फैक्ट्री घूम कर काम मांगते रहते। इसी तरह भटकते हुए पूरा सप्ताह बीत गया। फिर आठवें दिन इलेक्ट्रिकल पैनल बनाने की एक फैक्ट्री में नौकरी मिल गई, हेल्पर की। वेतन था 175 रुपये महीना। वेतन तो कम लगा, लेकिन तब भी उस नौकरी को पकड़ लिया। वहीं पास में ही कमरा किराया लेकर रहने लगे।

कंपनी बदली तो बढ़ा वेतन

इलेक्ट्रिकल पैनल के फैक्ट्री में वेतन इतना कम था कि गुजारा मुश्किल से होता था। हालांकि 1979 के हिसाब से यह वेतन कम नहीं था, लेकिन बचपन जिस ऐशो-आराम में गुजरा था, उसे याद कर आंख में आंसू आ जाते थे। तब भी 1982 तक उसी कंपनी में रहे। उसके बाद कंपनी बदल ली। वहां 800 रुपये महीने का वेतन मिला। वहां वेल्डिंग मशीन बनती थी जिसका उपयोग कार बनाने वाली कंपनी मारुति और अन्य ऑटो कंपनियों के वेंडर करते थे। वह इस मशीन को बनाने, इरेक्शन और कमीशनिंग के साथ साथ उसके सर्विसिंग में भी माहिर हो गए। इस वजह से उन्हें हर समय कंपनी के काम से दिल्ली से बाहर बेंगलुरु, कलकत्ता जैसे शहरों में महीने-डेढ़ महीने तक रहना पड़ता था।

कंपनी ने अपने कर्मचारियों को दिया 1.50 करोड़ रुपये तक का फ्लैट

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन की कंपनी ने अपने कर्मचारियों के बीच 18 फ्लैट बांटने का फैसला किया है। इन फ्लैट्स की कीमत 1.3 करोड़ रुपये से 1.50 करोड़ रुपये के बीच है। कंपनी यह फ्लैट्स उन कर्मचारियों को दे रही है जो तीन साल की अपनी सर्विसेज दे चुके हैं। साउथ चीन मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी कर्मचारियों को जोड़े रखने और उनमें नए गुण सीखने रहने के लिए यह फ्लैट्स दे रही है। बता दें, कर्मचारियों को फ्लैट्स देने वाली कंपनी में कुल 450 कर्मचारी इस समय काम कर रहे हैं। ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स का उत्पादन करने वाली चीन की कंपनी ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी की तरफ से यह फ्लैट्स बांटे जा रहे हैं। कंपनी की कुल ऑउटपुट वैल्यू 2024 में 70 मिलियन डॉलर थी। कंपनी के जनरल मैनेजर ने इन फ्लैट्स के बांटने पर कहा कि यह लॉन्ग टर्म को सोचकर तैयार किया गया है। जिससे लम्बे समय तक कंपनी में उनको जोड़ा रखा जा सके। इससे स्थिरता बढ़ेगी। नेशनल बिजनेस डेली से बात करते हुए कंपनी के मैनेजर कहा कि इस साल उन्होंने 5 फ्लैट्स बांटे हैं। अगले साल 8 फ्लैट्स देने की तैयारी में है। अगले तीन साल में कुल 18 फ्लैट्स कर्मचारियों को दिए जाएंगे।

सोना और चांदी ने साल 2025 में निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2025 में सोना और चांदी की कीमत ने शानदार छलांग लगाई है। दोनों धातुओं ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया। इस साल चांदी 132 प्रतिशत उछली है। वहीं सोने में भी 65 फीसदी की तेजी आई है। दोनों धातुओं में यह उछाल मजबूत निवेश मांग और आपूर्ति की कमी के कारण आया है। बात अगर साल 2026 की करें तो इस साल भी दोनों धातुओं में तेजी के संकेत दिखाई दे रहे हैं। हालांकि ये कई

कारकों पर निर्भर करेगी। साल 2025 में सोने ने दुनियाभर में और भारत में भी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमत 4,370 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस से ऊपर चली गई है। चांदी भी 60 डॉलर प्रति औंस से ऊपर पहुंच गई है। यह एक अभूतपूर्व ऊंचाई है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि निवेशक सोने की ओर भागे। इसके पीछे कई कारण थे, जैसे केंद्रीय बैंकों का नरम रुख, भू-राजनीतिक तनाव और सुरक्षित निवेश की लगातार मांग। सोने की कीमतें एमसीएक्स और बड़े शहरों के खुदरा बाजारों में 1.33 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार चली गईं। इसके पीछे कमजोर रुपया, आयात पर भारी शुल्क और शादियों के मौसम में जोरदार खरीदारी जैसे कारण थे। सोने की यह दोहरी उछाल इस बात को दर्शाती है कि सोना अनिश्चितता के समय में एक बेहतरीन बचाव का जरिया है।

एक क्लिनिक, 20 से ज्यादा डॉक्टर और मुंबई की सच्चाई

सपनों की नगरी में पैदा हुआ संकट?

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई को सपनों की नगरी कहा जाता है, लेकिन यहां सपनों की कीमत अब स्क्वायर फीट में तय होती है। इतनी ज्यादा कि अब सिर्फ आम लोग ही नहीं, बल्कि बड़े डॉक्टर भी अकेले क्लिनिक चलाने में असमर्थ हो गए हैं। मार्केटिंग कंटेंट क्रिएटर सोनाली एम की एक लिंक्डइन पोस्ट ने मुंबई की इसी कड़वी हकीकत को सामने रखा है, जहां एक ही क्लिनिक में 20 से ज्यादा डॉक्टर टाइम स्लॉट में मरीजों की जान बचा रहे हैं। उनकी यह पोस्ट काफी वायरल हो गई है।

सोनाली एम ने लिंक्डइन पर पोस्ट के साथ एक फोटो भी शेयर किया है। अपनी पोस्ट के

शुरुआत में उन्होंने लिखा है कि क्या आप अंदाजा लगा सकते हैं कि मुंबई में डॉक्टरों को भी जगह मिलना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में बिजनेस करने वालों या नौकरी करने वालों को तो और भी कम जगह मिलेगी। उन्होंने जो फोटो शेयर किया है, वह एक एक क्लिनिक का है। ऐसा क्लिनिक जहां 20 से ज्यादा डॉक्टर आते हैं।

क्या है पोस्ट में?

सोनाली ने अपनी पोस्ट में मुंबई में जगह की तंगी का आलम बताया है। स्थिति यह है कि अब बड़े-बड़े डॉक्टर भी को-वर्किंग यानी एक साथ मिलकर क्लिनिक चलाने को मजबूर हैं। सोचिए 20 से ज्यादा डॉक्टर एक ही क्लिनिक में अपनी बारी का इंतजार करते हैं।

ऐसा इसलिए नहीं है कि मरीजों की कमी है, बल्कि इसलिए कि मुंबई में कमर्शियल प्रॉपर्टी (दुकान या ऑफिस की जगह) इतनी महंगी हो गई है कि अकेले दम पर क्लिनिक चलाना लगभग नामुमकिन है। मुंबई सिर्फ आपकी मेहनत नहीं देखती, बल्कि यह भी देखती है कि आप वहां रहने और अपना काम चलाने का खर्चा उठा सकते हैं या नहीं। यह मुंबई हसल के रोमांटिक ख्याल से हटकर एक कड़वी सच्चाई है।

टाइम स्लॉट में बचाई जा रही जान

सोनाली ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि ऐसी जगह पर डॉक्टर बहुत कम समय में मरीजों को देखते हैं ताकि सभी का इलाज हो सके। टाइम स्लॉट में जान बचाई जा रही है। उन्होंने पोस्ट के आखिरी में लिखा है- बड़े सपने देखें, लेकिन पहले यह पक्का कर लें कि आप उस जगह (स्क्वायर फीट) का किराया दे सकते हैं।

एलन मस्क पर खूब बरस रहा पैसा

700 अरब डॉलर के पार हुई नेटवर्थ, रच दिया इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी।
दुनिया में इस समय एक शख्स पर खूब पैसा बरस रहा है। दौलत इतनी इकट्ठी हो रही है कि यह शख्स लगभग रोजाना रेकॉर्ड बना रहा है। इस शख्स का नाम एलन मस्क है। रॉयटर्स के मुताबिक एलन मस्क इतिहास के पहले ऐसे व्यक्ति बन गए हैं जिनकी नेटवर्थ 700 अरब डॉलर से ज्यादा हो गई है। यह सब इलेक्ट्रिक-गाड़ी बनाने वाली कंपनी टेस्ला में उनके बड़े सैलरी पैकेज को एक कोर्ट के फैसले से फिर से बहाल होने के बाद हुआ है। मस्क के साल 2018 के पे पैकेज से जुड़े स्टॉक ऑप्शन को फिर से बहाल कर दिया। पहले

एक निचली अदालत ने इन्हें रद्द कर दिया था। इस फैसले के बाद मस्क की अनुमानित संपत्ति बढ़कर करीब 749 अरब डॉलर हो गई। ये स्टॉक ऑप्शन अब लगभग 139 अरब डॉलर के हैं, जो कि डील को पहली बार मंजूरी मिलने के समय के 56 अरब डॉलर के आंकड़े से कहीं ज्यादा है। हाई कोर्ट ने कहा कि एलन मस्क के पे पैकेज को रद्द करने का पिछला फैसला गलत और अनुचित था। इसने साल 2024 के उस फैसले को पलट दिया जिसमें इस डील को अविश्वसनीय कहा गया था। इस पैकेज के बहाल होने से मस्क की संपत्ति में जबरदस्त इजाफा हुआ और वे दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए, वो भी बहुत बड़े अंतर से। नवंबर में टेस्ला के शेयरधारकों ने मस्क के लिए 1 ट्रिलियन डॉलर के एक नए पे प्लान को मंजूरी दी थी। यह किसी भी कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव के लिए अब तक का सबसे बड़ा पैकेज है।

पेप्सी की सहयोगी अफ्रीका में खरीद रही 1118.70 करोड़ में बेवरेजेज कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी।
पेप्सिको की बॉटलिंग कंपनी वरूण बेवेरेजेज लिमिटेड ने एक बड़ा दांव खेला है। रविवार 21 दिसंबर को कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया कि बोर्ड ने साउथ अफ्रीका की कंपनी ट्विज़ा प्रोप्रायटरी लिमिटेड के 100 प्रतिशत अधिग्रहण की मंजूरी दे दी है। इस पूरी डील की कीमत 1118.70 करोड़ रुपये है। पेप्सिको की सहयोगी कंपनी की लम्बे समय से अफ्रीका के बाजार पर नजर टिकी हुई है। बता दें, ट्विज़ा प्रोप्रायटरी लिमिटेड एक बेवरेजेज कंपनी है। जिसका अफ्रीका के मार्केट पर अच्छी पकड़ है। इस खबर के सामने आने के बाद कंपनी के शेयर सोमवार को फोकस में रहेंगे।

वरूण बेवरेजेज ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया है कि इस कंपनी के पास अफ्रीका में तीन उत्पादन सेंटर हैं। जून 2025 में कंपनी की कुल बिक्री 901.90

करोड़ रुपये की थी। यह अधिग्रहण 30 जून 2026 में पूरा हो सकता है। इसके पूरा होने के बाद वरुण बेवरेजेज के पोर्टफोलियो में इजाफा होगा। बता दें, ट्विज़ा प्रोप्रायटरी लिमिटेड की स्थापना 2003 में हुई थी। यह कंपनी नॉन-एल्कोहॉलिक बेवरेजेज कंपनी है।

शेयरों का प्रदर्शन कैसा?

शुक्रवार को स्टॉक मार्केट के बंद होने के समय पर एनएसई में 0.77 प्रतिशत की गिरावट के साथ 469.95 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 25 प्रतिशत की गिरावट आई है। जबकि इस दौरान निफ्टी नेक्सट 50 में महज 3.18 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। बता दें, 5 साल में वरूण बेवेरेजेज लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 445 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। पिछले साल कंपनी के शेयरों का बंटवारा हुआ था। जिसके बाद वरूण बेवरेजेज के शेयरों की फेस वैल्यू 5 रुपये से घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो गया था।

साल के अंत में खुल रहे हैं 11 कंपनियों के आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी।
प्राइमरी मार्केट में इस हफ्ते कई आईपीओ खुल रहे हैं। उसमें एक मेनबोर्ड आईपीओ भी शामिल है। आइए जानते हैं कि कौन सा आईपीओ किस दिन खुलेगा। इनका प्राइस बैंड, साइज सहित अन्य डीटेल्स क्या हैं?

- **गुजरात किडनी:** यह एक मेनबोर्ड सेगमेंट का आईपीओ है। कंपनी के आईपीओ का साइज 250.80 करोड़ रुपये का है। आईपीओ 22 दिसंबर को खुलेगा। निवेशकों को 24 दिसंबर तक दांव लगाने का मौका मिलेगा। कंपनी ने एंकर निवेशकों से 100 करोड़ रुपये जुटाए हैं। मेनबोर्ड सेगमेंट के इस आईपीओ का प्राइस बैंड 108 रुपये से 114 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है।
- **संड्रेक्स तेल:** कंपनी के आईपीओ का साइज 32.25

करोड़ रुपये का है। आईपीओ 22 दिसंबर से 24 दिसंबर तक खुला रहेगा। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 81 रुपये से 86 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

- **श्याम धानी इंडस्ट्रीज आईपीओ:** आईपीओ 22 दिसंबर से 24 दिसंबर तक खुला रहेगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइस बैंड 65 रुपये से 70 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है। इस आईपीओ का साइज 38.49 करोड़ रुपये का है।
- **दाचेपल्ली पब्लिशर्स आईपीओ:** इस आईपीओ का साइज 40.39 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 40 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। आईपीओ 22 दिसंबर से 24 दिसंबर तक ओपन रहेगा। इस एसएमई सेगमेंट का आईपीओ 100 रुपये से 102 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।
- **ईपीडब्ल्यू इंडिया आईपीओ:** कंपनी ने 95 रुपये से 97 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। आईपीओ का लॉट साइज 1200 शेयरों का बनाया गया है। आईपीओ का इश्यू साइज 31.81 करोड़ रुपये निर्धारित है।
- **अपोलो टेक्नो इंडस्ट्रीज आईपीओ:** आईपीओ 23 दिसंबर से 25 दिसंबर तक ओपन रहेगा। आईपीओ का साइज 47.96 करोड़ रुपये का है।
- **बाई काकाजी पॉलीमर्स आईपीओ:** इस एसएमई सेगमेंट के आईपीओ का साइज 105.17 करोड़ रुपये का है। कंपनी का आईपीओ 23 दिसंबर को खुलेगा। आईपीओ 26 दिसंबर तक ओपन रहेगा। आईपीओ के लिए कंपनी ने 177 रुपये से 186 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है।
- **एडमैच सिस्टम्स आईपीओ:** यह आईपीओ 23 दिसंबर से ओपन होने के बाद 26 दिसंबर तक खुला रहेगा। कंपनी ने 227 रुपये से 239 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है।
- **नांटा टेक आईपीओ:** यह एसएमई सेगमेंट का आईपीओ 23 दिसंबर को खुलेगा। निवेशकों के पास 26 दिसंबर तक दांव लगाने का मौका रहेगा।
- **धारा रेल प्रोजेक्ट्स आईपीओ:** कंपनी के आईपीओ का साइज 50.20 करोड़ रुपये का है। कंपनी का आईपीओ 23 दिसंबर से 26 दिसंबर तक खुला रहेगा। आईपीओ का प्राइस बैंड 120 रुपये से 126 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।
- **ई से ई परिवहन इंफ्रास्ट्रक्चर आईपीओ :** कंपनी ने 164 रुपये से 174 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। आईपीओ 26 दिसंबर को ओपन हो जाएगा। यह 30 दिसंबर तक खुला रहेगा।

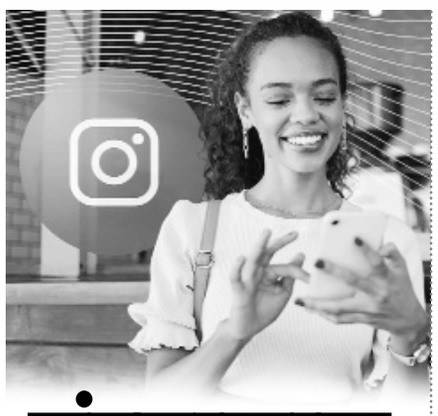

इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर

बन कॅरियर को दें नई दिशा

आज के समय में इंटरनेट का इस्तेमाल तो सभी लोग करते हैं, लेकिन अगर सोच-समझकर इंटरनेट का इस्तेमाल किया जाए। तो यह कमाई का एक बेहतरीन जरिया बन सकता है। हांलाकि आपने भी देखा होगा कि आज के समय में बहुत से लोग सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के तौर खूब शोहरत हासिल कर रहे हैं। वहीं इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर बन लोग लाखों कमा रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर के तौर पर अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर के तौर पर अपना कॅरियर बना शानदार कमाई कर सकते हैं। वर्तमान समय में अपनी नौकरी के साथ लोग सोशल मीडिया अकाउंट्स को भी काफी अच्छे से हैंडल कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर अच्छी रीच और ज्यादा एक्टिव रहने वाले अकाउंट्स को ब्रांड प्रमोशन आदि को अच्छा खासा-पैसा मिलता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर के तौर पर आप अपने कॅरियर की शुरूआत कैसे करें।

टाइम मैनेजमेंट है जरूरी

जब भी आप नौकरी करते हैं, तो इसमें आपके काम करने का रूटीन फिक्स होता है। लेकिन जब बात सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर की होती है, तो इसमें आपको अपने काम की सीमा खुद तय करनी होती है। फोन व लैपटॉप के जरिए आपको अपना काम करना होता है। ऐसे में आपको भी अपने काम की सीमा खुद तय करनी होगी। जिससे कि आप सोशल मीडिया के अलावा अन्य कामों को भी पर्याप्त समय दे सकें।

फिक्स्ड इनकम

जब आप कोई नौकरी करते हैं, तो हर महीने के आखिरी में आपके बैंक अकाउंट में एक फिक्स्ड इनकम आ जाती है। लेकिन बतौर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर आपको कोई फिक्स्ड सैलरी नहीं मिलती है। आपकी इनकम ब्रांड प्रमोशन आदि पर निर्भर करती है। इसलिए शुरूआत में आपको नौकरी के साथ इस काम को करना चाहिए। ताकि आपका खर्चा आसानी से चलता रहे। वहीं सोशल मीडिया पर हर इंफ्लुएंसर का एक-दूसरे से अलग होना जरूरी है। इसलिए आपको ओरिजिनल आइडिया पर काम करने के साथ एडिटिंग आदि भी सीखनी चाहिए।

पाइथन सीख कॅरियर को दें नई उड़ान

अगर आपको भी कंप्यूटर प्रोग्रामिंग भाषा सीखने में इंट्रेस्ट हैं, तो आप इस क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। बता दें कि पाइथन सर्टिफिकेट कोर्स करने वाले छात्रों के सामने कई अच्छे कॅरियर ऑप्शन मौजूद होते हैं।

आज के समय में कंप्यूटर प्रोग्रामिंग समय की जरूरत बन गया है। कंप्यूटर और उससे संबंधित कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स को आगे कई अच्छे कॅरियर विकल्प मौजूद हैं। कप्यूटर प्रोग्रामिंग की बढ़ती मांग को देखते हुए आज के समय में लोग ज्यादा से ज्यादा इस क्षेत्र में ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। कंप्यूटर प्रोग्रामिंग में आप सभी ने पाइथन का नाम सुना ही होगा। पाइथन कंप्यूटर प्रोग्रामिंग का एक अहम हिस्सा है। पाइथन की जानकारी बढ़ाने के लिए लोग कंप्यूटर प्रोग्रामिंग का बेसिक सीखने के लिए सर्टिफिकेट कोर्स कर रहे हैं। जिसके जरिए उन्हें प्रोग्रामिंग की भाषा का ज्ञान मिलने के साथ ही कॅरियर के तौर पर भी अच्छे ऑप्शन मिलेंगे। जब भी कोई आपको सामने कप्यूटर प्रोग्रामिंग या इससे संबंधित किसी भाषा में बात करेगा। तो आप बिना झिझके बड़ी आसानी से उसका जवाब दे पाएंगे। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पाइथन कोर्स की जानकारी देने जा रहे हैं।

पाइथन सर्टिफिकेट कोर्स

- कोडिंग सीखने के इच्छुक उम्मीदवार इस कोर्स को कर सकते हैं।
- अगर आप भी प्रोग्रामिंग की भाषा में बेहतर बनना चाहते हैं, तो यह एक अच्छा कोर्स है।
- इस कोर्स को आप एक अच्छे भविष्य के लिए कर सकते हैं।

क्वालिफिकेशन

- कक्षा 10वीं पास उम्मीदवार पाइथन सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं।
- आप बेसिक से उच्च स्तर के कोर्स की शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

पाइथन सर्टिफिकेट कोर्स में क्या सिखाया जाएगा

- इस कोर्स में डेटा एनालिटिक्स का प्रयोग का समस्याओं का समाधान करना सिखाया जाएगा।
- इसके अलावा तमाम वेब एप्लिकेशन बनाना सिखाया जाएगा।
- सॉफ्टवेयर और वेबसाइट की कोडिंग सिखाई जाएगी।
- डाटा सुरक्षा सुनिश्चित करना सिखाया जाएगा।
- डाटा एल्गोरिदम को सु-व्यवस्थित करना सिखाया जाएगा।

बेहतर करियर अवसरों की तलाश में हैं बनें इन्वेस्टमेंट बैंकर

ग्रेजुएशन या पोस्टग्रेजुएशन से पहले अक्सर विद्यार्थियों में कंफ्यूजन होता है कि वे अपनी रुचि से मैच करता हुआ कौन-सा कोर्स चुनें। जिन उम्मीदवारों की रुचि बैंकिंग या इन्वेस्टमेंट के क्षेत्र में होती है, वे इन्वेस्टमेंट बैंकर के रूप में करियर बनाने पर विचार कर सकते हैं।

अगर आप उम्दा वर्किंग इन्वायर्नमेंट, आकर्षक सैलेरी पैकेज और बेहतर करियर अवसरों की तलाश में हैं, तो इन्वेस्टमेंट बैंकिंग का करियर आपके लिए आदर्श हो सकता है। जानते हैं इस बूमिंग करियर के बारे में।

इन्वेस्टमेंट बैंकर जिस संस्थान या कंपनी के लिए काम करता है, उसे वहां के वित्तीय पहलुओं से जुड़ी ड्यूटीज को हैंडल करना होता है। इन्वेस्टमेंट बैंकर किसी कंपनी की कैपिटल, फंड्स, लोन, स्टॉक्स के साथ डील करते हैं। इन्हें कंपनी के क्लाइंट्स को लोन प्राप्त करने और इन्वेस्टमेंट करने के लिए सहयोग भी करना होता है।

कैसा होता है करियर?

किसी भी प्राइवेट या सरकारी संस्था में इन्वेस्टमेंट बैंकर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उसे संस्थान के आर्थिक लेनदेन से जुड़े रेकॉर्ड्स का मेंटेनेंस, मॉडिफिकेशन, टेस्टिंग और डेवलपमेंट करना होता है। इन्वेस्टमेंट बैंकर्स की मांग हर संस्थान में होती है और इनका करियर भी काफी आकर्षक माना जाता है।

क्या होती हैं जिम्मेदारियां?

- विभिन्न मेथडोलॉजीस का इस्तेमाल करते हुए वैल्यूएशन एनालिसिस करना।
- विभिन्न कैपिटल स्ट्रक्चर्स और पोटेंशियल ट्रांसैक्शंस को एनालाइज करना।
- फाइनेंशियल मॉडल्स बिल्ड करना।
- क्लाइंट मीटिंग्स के लिए प्रेजेंटेशन तैयार करना, जिसमें कैपिटल मार्केट एक्टिविटीज जैसे विषय कवर होते हों। न अपने टीम मेंबर्स के साथ डील करना।

कौन-सी स्किल्स जरूरी?

- टेक्निकल स्किल्स
- प्रेशर में काम को हैंडल करना
- अच्छी मैथमैटिकल और कैल्कुलेशन स्किल्स
- फाइनेंशियल स्किल्स में पूरी तरह से परफेक्टहोना
- बिजनेस को विकसित करने के लिए नए अवसर उत्पन्न करना और उनकी पहचान करना।

सैलेरी और करियर स्कोप

जिनके पास इन्वेस्टमेंट बैंकिंग में बैचलर की डिग्री होती है, उनका असिस्टेंट या जूनियर एनालिस्ट की पोजिशन पर वार्षिक सैलेरी पैकेज सात से आठ लाख तक का होता है। बैंक्स और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूट्स में ऐसे ही स्किल्ड और प्रतिभाशाली बैंकर्स की जरूरत है, जो संस्थान की ग्रोथ में योगदान कर सकें। इसलिए इस फील्ड में करियर को आगे बढ़ाने का काफी स्कोप है।

इन क्षेत्रों में महिलाओं के लिए बेहतरीन कॅरियर ऑप्शन

महिलाओं ने किचन से केबिन तक का रास्ता तय करने में अपनी योग्यता का प्रदर्शन किया है। खेतों में काम करने से लेकर आसमान में हवाई जहाज उड़ाने तक का काम महिलाएं कर ली हैं। महिलाएं हर क्षेत्र में अपना नाम बना रही हैं। पुराने भारत से लेकर नए भारत तक की महिलाओं की तस्वीर दिन प्रति दिन बदलती जा रही है।

एक समय तक महिलाओं को घर की चारदीवारी के लिए बेहतर माना जाता था। लेकिन अब महिलाएं घर की दहलीज पार कर काम करने लगी हैं। महिलाओं ने किचन से केबिन तक का रास्ता तय कर लिया है। खेतों में काम करने से लेकर आसमान में हवाई जहाज उड़ाने तक का काम महिलाएं कर ली हैं। महिलाएं हर क्षेत्र में अपना नाम बना रही हैं।

इतना ही नहीं हर क्षेत्र में महिलाएं अपनी योग्यता का भी बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे क्षेत्रों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर महिलाएं अपना बेहतर कॅरियर बना सकती हैं। यह टॉप 3 फील्ड महिलाओं को बेहतरीन कॅरियर के साथ स्मार्ट सैलरी भी देंगी।

टीचिंग

महिलाओं के लिए टीचिंग हमेशा से ही बेस्ट कॅरियर रहा है। इस प्रोफेशन में जाने के लिए परिवार का भी कोई ऑब्जेक्शन नहीं होता है। टीचिंग फील्ड में अच्छा पैसा होने के साथ ही रुतबा भी है। इस क्षेत्र में कॅरियर बना कर आप लोगों की जिंदगी में अहम रोल निभा सकती हैं। हमारा देश शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है। इस जॉब के साथ समय भी अच्छे से मैनेज हो जाता है। एक दशक से इस फील्ड में नौकरी के अवसर भी बढ़े हैं। प्राइमरी हो या डिग्री हर जगह अच्छी सैलरी मिलती है। इस फील्ड में आपको 55,000 से 2,25,000 रुपए तक प्रतिमाह पा सकती हैं।

न्यूट्रिशन या फिटनेस

आज के समय में स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ी है। हर कोई फिट और सेहतमंद रहना चाहती है। इस क्षेत्र में कॅरियर की अपार संभावनाए हैं। अगर आप योग, न्यूट्रिशन व एक्सरसाइज एक्सपर्ट्स हैं। तो इस फील्ड में अपना शानदार कॅरियर बना सकती हैं। आप इसकी शुरूआत डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए भी कर सकती हैं। इस फील्ड में महिलाएं साल भर में 3-4 लाख रुपए सालाना कमा सकती हैं।

ह्यूमन रिसोर्स

कॉर्पोरेट सेक्टर में नौकरी की चाह रखने वाली महिलाओं के लिए यह क्षेत्र काफी अच्छा है। आप ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट में MBA या PGDM करने के बाद इस फील्ड में नौकरी कर सकती हैं। जो महिलाएं लोगों की समस्या को सॉल्व करने करने में दिलचस्पी रखती हैं। यह जॉब उनके लिए बेस्ट है। ह्यूमन रिसोर्स में कैंडिडेट्स को शॉर्टलिस्ट करने के बाद उनका इंटरव्यू करना, उन्हें ट्रेंड करना, सैलरी, विश्लेषण, पॉलिसी बनाना साथ ही साथी कर्मियों की देखभाल करना होता है। इस फील्ड में 3-4 लाख रुपए साला कमा सकती हैं। वहीं एक्सपीरियंस के बाद सैलरी भी बढ़ती जाती है।

दिलकश आवाज और शानदार भाषाई कौशल के दम पर बनें वॉइस ओवर आर्टिस्ट

वॉइस ओवर आर्टिस्ट या डबिंग आर्टिस्ट बनने के लिए किसी विशेष क्वॉलिफिकेशन की जरूरत नहीं होती। दिलकश आवाज और शानदार भाषाई कौशल के दम पर कोई भी इस क्षेत्र में आ सकता है। वैसे हाल ही में कुछ ऐसे कोर्स भी शुरू हुए हैं, जो डबिंग आर्टिस्ट की प्रतिभा को संवारने में मदद करते हैं। इनमें प्रवेश के लिए 10वीं पास होना जरूरी है।

योग्यता

किसी डबिंग आर्टिस्ट के लिए पहली जरूरत तो इसी बात की है कि उसकी आवाज अच्छी हो और भाषा पर उसकी अच्छी पकड़ हो। आप चाहे फिल्मों, विज्ञापनों के लिए डबिंग कर रहे हों या फिर रेडियो, टीवी के लिए अपनी आवाज दे रहे हों, आपकी आवाज 'ब्रॉडकास्ट क्वॉलिटी' की होनी चाहिए। आवाज की गुणवत्ता तो प्रकृति देती है लेकिन वॉइस मॉड्यूलेशन आपको सीखना होगा। आखिर आवाज का सही उतार-चढ़ाव ही तो डबिंग की जान है! साथ ही आपका गला साफ होना चाहिए और उच्चारण बिल्कुल स्पष्ट। यदि आप डबिंग आर्टिस्ट के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो मॉक डबिंग प्रेक्टिस करते रहें। साथ ही अपने भाषाई हुनर को भी मांजते रहें। जिस तरह अभिनेता अलग-अलग लोगों के हाव-भाव का बारीकी से अध्ययन करता है, उसी तरह डबिंग आर्टिस्ट को अलग-अलग लोगों के बोलने के अंदाज का अध्ययन करते रहना चाहिए। ध्यान रहे, डबिंग आर्टिस्ट के रूप में आपको विभिन्न किरदारों की आवाज बनना होगा। इसलिए यह जरूरी है कि आप ज्यादा से ज्यादा लोगों से मिलें-जुलें, उनसे 'कनेक्ट' करें।

अवसर

डबिंग आर्टिस्ट के लिए आज अवसरों की तो कोई कमी ही नहीं है। विभिन्न रेडियो तथा टीवी चैनलों, प्रोडक्शन हाउसेज, विज्ञापन उद्योग, डॉक्यूमेंटरी फिल्म्स, एनिमेशन जगत, ऑनलाइन एजुकेशन (ऑडियो बुक डबिंग) आदि में वॉइस-ओवर आर्टिस्ट्स की भारी मांग है। इस फील्ड में शुरूआत में स्ट्रगल तो करना पड़ता है लेकिन एक बार इंडस्ट्री में आपकी आवाज की पहचान बन जाए, तो फिर कमाई कई गुना बढ़ती जाती है। डबिंग आर्टिस्ट को आम लोगों के बीच अभिनेताओं जैसी शोहरत तो नहीं मिलती लेकिन मनोरंजन जगत के भीतर प्रतिभाशाली आर्टिस्ट्स का खासा नाम होता है।

कोर्स

इस क्षेत्र में कोई डिग्री या डिप्लोमा कोर्स नहीं होता। हां, कुछ संस्थाएं इसके सर्टिफिकेट कोर्स संचालित करती हैं, जिनकी अवधि एक महीना होती है।

वेस्टइंडीज 419 रन पीछे, बिना विकेट गंवाए 43 रन बनाए

न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी 306 रन पर घोषित की

वेलिंगटन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज की ओर से ब्रेंडन किंग और जॉन कैंपबेल ने पारी की शुरुआत की। किंग 37 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि कैंपबेल उनके साथ क्रीज पर मौजूद हैं।

इससे पहले न्यूजीलैंड ने अपनी दूसरी पारी 2 विकेट पर 306 रन बनाकर घोषित की। टीम के लिए टॉम लाथम ने 101 और डेवोन कॉन्वे ने 100 रन की शतकीय पारियां खेलीं। कप्तान केन विलियमसन 40 रन और रचिन रवींद्र 46 रन बनाकर नाबाद रहे।

कॉन्वे का दूसरी पारी में भी शतक

डेवोन कॉन्वे ने इस टेस्ट मैच में कुल 327 रन बनाए। पहली पारी में उन्होंने 367 गेंदों पर 227 रन बनाए, जिसमें 31 चौके शामिल थे। दूसरी पारी में कॉन्वे ने 139 गेंदों पर 100 रन की पारी खेली, जिसमें 3 छक्के और 8 चौके लगाए। यह उनके टेस्ट करियर का सातवां शतक है।कॉन्वे 95 साल के टेस्ट इतिहास में न्यूजीलैंड के पहले बल्लेबाज बने, जिन्होंने एक ही मैच में दोहरा शतक और शतक लगाया। दुनिया में ऐसा करने वाले वे 10वें बल्लेबाज हैं।

न्यूजीलैंड पहली पारी में 420 रन पर सिमट गई

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 575 रन बनाए थे। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 420 रन पर ऑलआउट हो गई। कावेम हॉज ने 123 रन की नाबाद पारी खेली, लेकिन अन्य बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सके।

तीसरे दिन शनिवार को वेस्टइंडीज ने बिना विकेट गंवाए 110 रन से आगे खेलते हुए 6 विकेट पर 381 रन बनाए थे। जॉन कैंपबेल 45 रन, वहीं, ब्रैंडन किंग ने 63 रन बनाए।

हॉलैंड ने प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड बनाया

रोनाल्डो को पीछे छोड़ा

लंदन (एजेंसी)। एर्लिंग हॉलैंड ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दो गोल करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में क्रिस्टियानो रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया जिससे मैनचेस्टर सिटी ने आसान जीत दर्ज करके अपनी जीत का सिलसिला पांच मैच तक पहुंचा दिया।

मैनचेस्टर सिटी को इस जीत तीन अंक मिले, लेकिन यह आर्सेनल को क्रिसमस के दिन प्रीमियर लीग में शीर्ष पर रहने से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं था। आर्सेनल ने विक्टर ग्योकेरेस के पहले हाफ में पेनल्टी पर किए गोल की बदौलत एवर्टन पर 1-0 की जीत हासिल की जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि आर्सेनल 25 दिसंबर को प्रीमियर लीग में पांचवीं बार पहले स्थान पर रहेगा। इससे पहले जब चार अवसरों पर आर्सेनल क्रिसमस तक शीर्ष पर रहा था तब वह खिताब नहीं जीत पाया था। आर्सेनल के बाद मैनचेस्टर सिटी दूसरे स्थान पर है। वह आर्सेनल से केवल दो अंक पीछे है। उसने वेस्ट हैम को 3-0 से हराया। हॉलैंड ने दोनों हाफ में एक-एक गोल करके इस सत्र में 17 मैचों में 19 गोल कर लिए हैं। इस तरह से उन्होंने प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया। हॉलैंड ने इस सत्र में सिटी और नॉर्वे के लिए कुल 28 मैचों में 38 गोल किए हैं।

हरियाणवी बॉक्सर नीरज गोयत का ग्लोबल घूंसा

दुबई के मेगा इवेंट में दमदार जीत, अमेरिकी बॉक्सर एंथनी टेलर को हराया, मेन कार्ड का हिस्सा था इवेंट

करनाल (एजेंसी)। हरियाणा के बेगमपुर गांव से निकलकर अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग मंच पर पहचान बना चुके भारतीय बॉक्सिंग स्टार नीरज गोयत ने दुबई में शानदार जीत दर्ज कर देश का नाम रोशन किया। 20 दिसंबर को दुबई के ड्यूटी फ्री टेनिस स्टेडियम में हुए मुकाबले में नीरज गोयत ने अमेरिकी बॉक्सर एंथनी टेलर को कड़े मुकाबले में पछाड़ दिया। यह फाइट बहुप्रतीक्षित एंड्रयू टेट बनाम चेस डीमूर मुकाबले से पहले मेन कार्ड का हिस्सा थी। अनाउंसमेंट के साथ ही इस इवेंट को दुनियाभर में जबरदस्त ध्यान मिला और बॉक्सिंग फैंस इसे लेकर बेहद उत्साहित नजर आए। मुकाबले से पहले नीरज गोयत की एंट्री ने दर्शकों का ध्यान खींच लिया। वह फ्लाइट में एंट्री से पहले झूमते हुए नजर आए और केसरिया, सफेद और हरे रंग की ड्रेस पहनकर रिंग में उतरे। तिरंगे के रंगों में सजे गोयत ने जैसे ही मुकाबला शुरू किया, उन्होंने एंथनी टेलर पर पंचों की बौछार कर दी। पूरे मुकाबले के दौरान नीरज का आत्मविश्वास और आक्रामकता साफ नजर आई। उन्होंने तकनीकी बॉक्सिंग का शानदार प्रदर्शन करते हुए एंथनी को संभलने का मौका नहीं दिया।

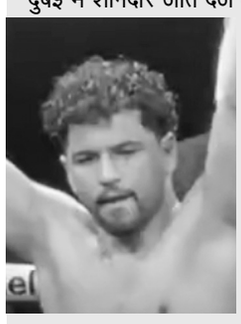

पाकिस्तान ने दूसरी बार अंडर-19 एशिया कप जीता

भारत को 191 रन से हराया, वैभव 26 रन ही बना सके, समीर मिन्हास का शतक

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान ने दूसरी बार अंडर-19 एशिया कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने रविवार को खेले गए फाइनल में भारत को 191 रन से हरा दिया। दुबई के आईसीसी एकेडमी में पाकिस्तान ने समीर मिन्हास की शानदार पारी के दम पर भारत के सामने 348 रन का बड़ा लक्ष्य रखा। जवाब में भारतीय टीम 26.1 ओवर में 159 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। ओपनर वैभव सूर्यवंशी 26 रन ही बना सके। पाकिस्तान की ओर से अली रजा ने 4 विकेट झटके, जबकि मोहम्मद सय्याम, हुजैफा अहसान और अब्दुल सुभान को 2-2 विकेट मिले।इससे पहले भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। पाकिस्तान ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 347 रन बनाए। टीम के लिए समीर मिन्हास ने शानदार शतक जड़ा। उन्होंने 113 गेंदों पर 172 रन की दमदार पारी खेली। अहमद हुसैन ने 56 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से दीपेश देवेंद्रन ने 3 विकेट लिए, जबकि खिलन पटेल और हेनिल पटेल को 2-2 विकेट मिले। कनिष्क चौहान ने 1 विकेट हासिल किया।

दोनों टीमों की प्लेइंग-इलेवन

भारत- आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, आरोन जॉर्ज, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, किशन कुमार सिंह और हेनिल पटेल।

पाकिस्तान- फरहान यूसुफ (कप्तान), समीर मिन्हास, उस्मान खान, अहमद हुसैन, हमजा जहूर (विकेटकीपर), हुजैफा अहसन, नकाब शफीक, मोहम्मद शायान, अली रजा, अब्दुल सुभान, मोहम्मद सय्याम।

आउट होने के बाद मैदान पर हुआ बवाल

पाक खिलाड़ी से उलझे वैभव सूर्यवंशी

दुबई (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच खेले गए 19 एशिया कप फाइनल में सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि मैदान पर गर्मागर्म माहौल भी देखने को मिला। 14 वर्षीय भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के आउट होने के बाद पाकिस्तान के गेंदबाज अली रजा के साथ उनकी नोकझोंक सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है।

तेज शुरुआत के बाद सस्ते में आउट हुए वैभव

348 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए वैभव सूर्यवंशी ने आक्रामक अंदाज़ में पारी की शुरुआत की। उन्होंने महज़ 9 गेंदों में 24 रन बनाकर भारत को तेज शुरुआत दिलाई। पाक गेंदबाज के इशारे के बाद वैभव ने अपने जूतों के और इशारा कर दिया आ जा...।

भारत के खिलाफ समीर मिन्हास ने खेली 172 रन की रिकॉर्ड तोड़ पारी

दुबई (एजेंसी)।

अंडर-19 एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत के खिलाफ पाकिस्तान के युवा बल्लेबाज़ समीर मिन्हास ने ऐसी पारी खेली, जिसने उन्हें रातों-रात सुर्खियों में ला दिया। दुबई के आईसीसी एकेडमी ग्राउंड पर खेले गए इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में मिन्हास ने भारतीय गेंदबाज़ी आक्रमण को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया। 113 गेंदों में 172 रन की ऐतिहासिक पारी के साथ उन्होंने न सिर्फ फाइनल का रुख बदला, बल्कि खुद को पाकिस्तान के भविष्य के बड़े बल्लेबाज़ों में शामिल कर लिया।

- **फाइनल में भारत के खिलाफ ऐतिहासिक प्रदर्शन** - रविवार, 21 दिसंबर को खेले गए फाइनल में भारत ने टॉस जीतकर पाकिस्तान को पहले बल्लेबाज़ी का न्योता दिया। पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने जल्दी पहला विकेट गंवा दिया। इसके बाद समीर मिन्हास ने मोर्चा संभाला और एक छोर से रन बरसाने का सिलसिला शुरू किया। उन्होंने महज़ 71 गेंदों में शानदार शतक पूरा किया, जो फाइनल जैसे बड़े मुकाबले में उनकी मानसिक मजबूती को दर्शाता है।
- **तेज साझेदारियां, तेज रन गति** - पहले विकेट के गिरने के बाद मिन्हास ने उस्मान खान के साथ दूसरे विकेट के लिए 92 रनों की अहम साझेदारी की। इस दौरान उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों में अर्धशतक जड़ दिया और भारतीय गेंदबाज़ों पर दबाव बना दिया। उनकी आक्रामक बल्लेबाज़ी के दम पर पाकिस्तान ने मात्र 12.3 ओवर में 100 रन पूरे कर लिए। उस्मान के आउट होने के बाद भी मिन्हास का आक्रमण जारी रहा। अहमद हुसैन के साथ मिलकर उन्होंने तीसरे विकेट के लिए 137 रनों की बड़ी साझेदारी की, जिससे पाकिस्तान एक मज़बूत स्थिति में पहुंच गया।

श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज से मैच पहले जेमिमाह रोड्रिग्स बोली

बढ़ी जिम्मेदारी, बढ़ीं उम्मीदें

नईदिल्ली (एजेंसी)। रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम विश्व कप जीतने के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय मैदान पर उतरी। इससे पहले बल्लेबाज़ जेमिमाह रोड्रिग्स ने टीम की मानसिकता को लेकर अहम बात कही है। श्रीलंका के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टी-20 सीरीज़ को लेकर जेमिमाह का मानना है कि खिताबी जीत के बाद टीम पर जिम्मेदारी कहीं ज्यादा बढ़ गई है। उन्होंने साफ कहा कि अब सिर्फ जीत का जश्न नहीं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों के लिए खुद को लगातार बेहतर बनाना ही असली लक्ष्य है।

विश्व कप जीत के बाद बदला माहौल - जेमिमाह रोड्रिग्स के अनुसार, महिला विश्व कप जीत का असर सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज और फैंस के बीच भी साफ दिख रहा है। उन्होंने कहा कि अब ज्यादा लोग महिला क्रिकेट को पहचान रहे हैं और इस खेल में दिलचस्पी ले रहे हैं। जेमिमाह ने इसे विश्व कप की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बताया, क्योंकि इससे आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलेगी और महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचने का मौका मिलेगा।

जीत पर गर्व, लेकिन नजर भविष्य पर

हालांकि टीम विश्व कप जीत पर गर्व महसूस कर रही है, लेकिन जेमिमाह ने साफ किया कि यह सफर की सिर्फ शुरुआत है। उन्होंने कहा कि अब टीम का फोकस आगे आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स पर है, खासकर टी-20 वर्ल्ड कप पर। उनके मुताबिक, अब जिम्मेदारी ज्यादा है क्योंकि उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। हमारा लक्ष्य सिर्फ एक ट्रॉफी जीतना नहीं, बल्कि अब तक की सबसे बेहतरीन भारतीय टीम बनना है।

कोलकाता इवेंट के आयोजक बोले-मेसी छूने-गले लगाने से परेशान हुए

भीड़ नियंत्रित करने की अपील बेअसर रही, प्लेयर के जल्दी निकलने से तोड़फोड़ हुई थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में 13 दिसंबर को हुए इवेंट से लियोनेल मेसी के जल्दी चले जाने को लेकर नई बात सामने आई है। इवेंट के दौरान सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के कारण फुटबॉलर असहज हो गए, इसलिए तय वक्त से पहले ही वहां से चले गए। यह जानकारी इवेंट के मुख्य आयोजक सतादरु दत्ता ने जांच एजेंसियों को दी है। इस मामले में दत्ता को गिरफ्तार किया गया है।

मीडिया के मुताबिक एसआईटी की पूछताछ में शनिवार को दत्ता ने बताया कि विदेशी सुरक्षा एजेंसियों ने आयोजकों को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि मेसी को छूना या गले लगाया जाना बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। जब प्रोग्राम में मेसी आए तो भीड़ रोकने के लिए मंच से कई बार कहा गया, लेकिन इसका कोई खास असर नहीं पड़ा।

दत्ता के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान जिस तरह मेसी को चारों ओर से घेर लिया गया और लोग उन्हें गले लगाने लगे, वह पूरी तरह अस्वीकार्य था। इससे वे परेशान हुए और कार्यक्रम बीच में ही छोड़ने का फैसला लिया।

5वें ऑस्ट्रेलिया ने लगातार एशेज खिताब पर कब्जा जमाया

- **तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 82 रन से हराया, ऑस्ट्रेलिया 3-0 से आगे**

एडिलेड (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ एडिलेड ओवल में खेले गए एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने 82 रन से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 5 टेस्ट मैचों की सीरीज अपने नाम कर ली और 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। इससे पहले पर्थ और ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया ने 8-8 विकेट से जीत दर्ज की थी। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 371 रन बनाए, जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 286 रन पर सिमट गई। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दूसरी पारी में 349 रन बनाए और इंग्लैंड के सामने 434 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम संघर्ष करती नजर आई और पूरी टीम तय स्कोर से 82 रन पहले ही आउट हो गई। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने घरेलू परिस्थितियों में एशेज सीरीज पर अपना दबदबा कायम रखा।

पांचवें दिन जेमी स्मिथ ने इंग्लैंड की जगाई उम्मीद

इंग्लैंड ने चौथे दिन का खेल छह विकेट पर 207 रन बनाकर समाप्त किया था, जिसके बाद उसकी जीत की उम्मीदें काफी धूमिल नजर आ रही थीं। हालांकि, पांचवें और आखिरी दिन जेमी स्मिथ ने 60 रन की अहम पारी खेलकर एक समय इंग्लैंड की उम्मीदें जगा दीं। जब वह आउट हुए, तब तक इंग्लैंड का स्कोर 285 रन तक पहुंच चुका था और टीम लक्ष्य के काफी करीब नजर आने लगी थी।

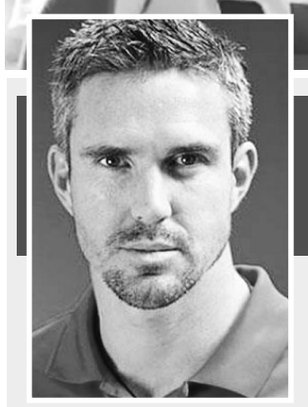

पीटरसन ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम को लिया आड़े हाथ, एशेज टेस्ट हार के बाद की आलोचना

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने रविवार को एडिलेड ओवल में तीसरे टेस्ट में 82 रन की हार के बाद बेन स्टोक्स की टीम की आलोचना की है। ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बनाकर एशेज बरकरार रखी है। पीटरसन ने अपने एक्स हैंडल पर कहा कि यह हार समझना मुश्किल है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के पास जोश हेजलवुड और स्टीव स्मिथ नहीं थे। उन्होंने लिखा, हेजलवुड नहीं थे, कमिंस, स्मिथ, लियोन वगैरह भी मुश्किल से थे, इससे यह हार समझना मुश्किल हो जाता है। आज सुबह मैंने और भी आउट होते देखे, जिससे मुझे उस पहले ट्वीट के बारे में सब कुछ पता चल गया जो मैंने लिखा था, जिसमें कहा गया था कि बल्लेबाज अब टेस्ट क्रिकेट के लिए तैयार नहीं हैं। मैच की बात करें तो तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के पांचवें और अंतिम दिन रविवार को यहां आखिरी चार विकेटों में से तीन विकेट लेकर इंग्लैंड की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और इस तरह से ऑस्ट्रेलिया ने 82 रन से जीत दर्ज करके 2 टेस्ट शेष रहते हुए एशेज बरकरार रखने में कामयाबी हासिल की। इंग्लैंड ने 435 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांचवें दिन सुबह अपनी दूसरी पारी 6 विकेट पर 207 रन से आगे बढ़ाई।

न्यूज डायरी

जीएमसीएच कॉन्ट्रैक्ट सुरक्षा कर्मचारी यूनियन प्रधान पद के चुनाव में कांटे की टक्कर

23 दिसंबर को होगी वोटिंग, तैयारियां पूरी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। जीएमसीएच कांटेक्ट सुरक्षा कर्मचारी वर्कर यूनियन 589 के वार्षिक चुनाव के लिए प्रधान पद के लिए दो उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है। हरदीप सिंह और अमर सिंह ने अपने नामांकन पत्र जमा कर दिए हैं।

18 दिसंबर 2025 को नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि थी, जिसमें दोनों उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र जमा किए। 23 दिसंबर 2025 को होने वाले चुनाव में यूनियन के सदस्यों द्वारा अपने मताधिकार का उपयोग करके नए प्रधान का चुनाव किया जाएगा। दोनों उम्मीदवारों के बीच कांटे की टक्कर होने की संभावना है।

यूनियन के सदस्यों से अपील की जाती है कि वे अपने मताधिकार का उपयोग करके अपने पसंदीदा उम्मीदवार को वोट दें और यूनियन के भविष्य का फैसला करें।

चुनाव तिथि: 23 दिसंबर 2025

चुनाव समय: सुबह 7:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक

मतदान केंद्र: जीएमसीएच पुलिस चौकी के पास अस्पताल परिसर में निर्धारित किया गया।

जनसेवा ही हमारा मुख्य संकल्प, समस्याओं का समयबद्ध समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता: रणबीर गंगवा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने रविवार को अपने हिसार स्थित आवास पर जनता दरबार लगाकर क्षेत्रवासियों से सीधा संवाद किया। इस दौरान भारी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी व्यक्तिगत व सार्वजनिक समस्याओं को मंत्री के समक्ष रखा। कैबिनेट मंत्री ने एक-एक कर सभी की शिकायतों को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित व प्रभावी समाधान के लिए संबंधित विभागों के उच्चाधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

श्री गंगवा ने कहा कि जनसेवा ही हमारा संकल्प है और जनता की प्रत्येक समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय का मुख्य ध्येय प्रदेश के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और हर घर तक स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करना है। विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को हिदायत दी कि जनसमस्याओं के निवारण में किसी भी स्तर पर ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने लोक निर्माण और जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देश दिए कि वर्तमान में चल रहे विकास कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करें और निर्माण की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का समझौता न हो। सड़कों की मरम्मत, पेयजल आपूर्ति और जल निकासी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर उन्होंने विश्वास दिलाया कि क्षेत्र के विकास के लिए बजट की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी और लंबित परियोजनाओं को गति प्रदान की जाएगी।

वीर बाल दिवस के अवसर पर बल्लभगढ़ में होगा "सफ़र-ए-शहादत" लाइट एंड साउंड शो का आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबज़ादों के अतुलनीय बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार द्वारा वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष लाइट एंड साउंड मंच प्रस्तुति "सफ़र-ए-शहादत" का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन मंगलवार दिनांक 23 दिसंबर 2025 को बल्लभगढ़ स्थित अटल ऑडिटोरियम में होगा।

एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि "सफ़र-ए-शहादत" सिख इतिहास के शौर्य और बलिदान से भरे अध्यायों की एक भावनात्मक और प्रेरणादायी यात्रा प्रस्तुत करता है। यह प्रस्तुति श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के सर्वोच्च बलिदान से आरंभ होकर चमकौर दी गढ़ी की ऐतिहासिक घटनाओं से होते हुए साहिबज़ादा बाबा जोरावर सिंह जी और साहिबज़ादा बाबा फतेह सिंह जी की शहादत पर समाप्त होती है।

स्वदेशी महोत्सव में विरासत प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केन्द्र

125 कवियों को मुख्य अतिथि ने गौरव सम्मान देकर किया सम्मानित

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। स्वदेशी जागरण मंच की ओर से आयोजित दस दिवसीय स्वदेशी महोत्सव 2025 में विरासत दि हेरिटेज विलेज, कुरुक्षेत्र द्वारा लगाई गई विरासत सांस्कृतिक प्रदर्शनी मेले का प्रमुख आकर्षण बनी हुई है। मेले में हरियाणा की ग्रामीण संस्कृति, लोक परंपराओं और स्वदेशी जीवनशैली को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिसे देखने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।

स्वदेशी मेले के दूसरे दिन डॉ राजेश गोयल उत्तर क्षेत्र संयोजक ने मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. राज नेहरू और भारत भूषण भारती का पुष्प गुच्छे देकर स्वागत किया ने

राजेश जी नेउन्होंने मेले का अवलोकन करते हुए विरासत प्रदर्शनी, स्वदेशी उत्पादों और सांस्कृतिक गतिविधियों के बारे में बताएं। इसी दिन स्वदेशी पर आधारित एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 125 कवियों ने भाग लेकर अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथियों द्वारा सभी कवियों को गौरव सम्मान और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कवि सम्मेलन में हास्य-व्यंग्य, कविताएं और ग़ज़लों की शानदार प्रस्तुति देखने को मिली। कवियों ने जहां एक ओर समाज और समसामयिक विषयों पर कटाक्ष किया, वहीं दूसरी ओर स्वदेशी की भावना को अपनी रचनाओं के माध्यम से मजबूती से प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय कवि हरि ओम पंवार, सुरिंदर सिंगला, सुंदर कटारिया, खुशबू (दिल्ली), यश कंसल, दास आरोही आनंद, मंजू चौहान, प्रतिभा माही सहित अनेक कवियों ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को खूब हंसाया और तालियां बटोरीं। विशेष अतिथि के रूप में अजय मित्तल, रमाकांत भारद्वाज और रूपाली विनीत जैम ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. राज नेहरू ने अपने संबोधन में कहा कि स्वदेशी केवल आर्थिक विषय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना से जुड़ा हुआ आंदोलन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य है कि वर्ष 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र बने और इसमें स्वदेशी का महत्वपूर्ण योगदान होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मेले लोगों को स्वदेशी अपनाने और विदेशी उत्पादों के बहिष्कार के लिए प्रेरित करते हैं।

मेले में विरासत प्रदर्शनी के माध्यम से हरियाणा की लोक संस्कृति को सजीव रूप में दर्शाया गया है। स्वदेशी मेला संयोजक राजेश गोयल ने बताया कि प्रदर्शनी में 100 साल से अधिक पुरानी बैलगाड़ी, दोघड़ उठाए हरियाणवी महिला, चक्की चलाती महिला, ओखल कूटती महिला, 100 वर्ष पुराना देशी नलका और हाथ से चलने वाले कृषि औजार दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। ये दृश्य पर्यटकों के लिए खास सेल्फी प्वाइंट बन चुके हैं।

विरासत हेरिटेज विलेज के संयोजक डॉ. महासिंह पूनिया ने बताया कि प्रदर्शनी में भव्य स्वदेशी द्वार, हरियाणा की पगड़ी के विभिन्न स्वरूप, चौपाल का दृश्य जिसमें दादा-पोता चारपाई पर बैठे हैं, विशेष रूप से लोगों को अपनी ओर खींच रहा है। इसके साथ ही कृषि संस्कृति से जुड़े प्राचीन हल, बैलों की गोडी, कुएं में प्रयोग होने वाले डोल, अनाज मापने के मापक, बीज बोने के उपकरण, पशुओं के गले की लकड़ी की घंटियां, 70 वर्ष से अधिक पुराने कृषि औजार और लगभग 200 साल पुराने बर्तन भी दर्शकों के लिए कौतूहल का विषय बने हुए हैं।

सुभाष चंदर पलटा सर्वसम्मति से डब्ल्यूसी, सेक्टर 27-डी के अध्यक्ष नियुक्त

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। द वेलफेयर कमेटी, सेक्टर 27-डी की वार्षिक आम बैठक आज कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर-27 में हुई जिसमें सुभाष चंदर पलटा को सर्वसम्मति से आरडब्ल्यूसी, सेक्टर 27-डी का अध्यक्ष चुना गया। तत्पश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुभाष चंदर पलटा ने अपनी कार्यकारिणी का गठन किया जिसके तहत एएस सहगल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, लवलीन कौर को उपाध्यक्ष, परवीन मित्तल को महासचिव, पुष्पराज शर्मा को संयुक्त सचिव, संदीप साहनी को कोषाध्यक्ष व सुशील शारदा को ऑडिटर नियुक्त किया। बैठक में क्षेत्र के विकास, नागरिक सुविधाओं और भविष्य की कार्य योजनाओं पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर भाजपा के स्थानीय उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह बबला भी उपस्थित थे।

विरासत प्रदर्शनी से जीवंत हो उठी गांव की संस्कृति

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने जारी किया विरासत का ब्रोशर

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। स्वदेशी जागरण मंच की ओर से आयोजित किए गए दस दिवसीय स्वदेशी महोत्सव 2025 में विरासत दि हेरिटेज विलेज कुरुक्षेत्र द्वारा लगाई गई विरासत सांस्कृतिक प्रदर्शनी को देखकर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विरासत सांस्कृतिक प्रदर्शनी अपने आप में अद्भुत है इसके माध्यम से स्वदेशी का संदेश हजारों लोगों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी में हरियाणा की संस्कृति को जिस तरीके से प्रस्तुत किया गया है वह अपने आप में अद्भुत अनूठी एवं निराली है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी समय की मांग है आज पूरा हरियाणा नहीं पूरा राष्ट्र स्वदेशी के साथ एक साथ खड़ा है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी का जो संदेश दिया है उसे संपूर्ण भारत में जहां एक और राष्ट्रीय एकता का संदेश गया है वहीं पर दूसरी ओर भारत के उत्पादों को ही लोग खरीद कर पूरे देश को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विरासत का ब्रोशर भी जारी किया। इस मौके पर विरासत के प्रभारी डॉक्टर महावीर सिंह पुनिया एवं स्वदेशी मेला के संयोजक श्री राजेश गोयल ने मुख्यमंत्री को समृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। स्वदेशी मेला के संयोजक राजेश गोयल ने बताया कि पर्यटकों में हरियाणा की सांस्कृतिक प्रदर्शनी के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। इस प्रदर्शनी में लोक सांस्कृतिक तरीके से विषय-वस्तुओं को जिस स्वरूप में प्रस्तुत किया गया है उससे स्वदेशी मेले में स्वदेशी गांव की झलक जीवंत हो उठी है।

उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी में 100 से अधिक पुरानी बैलगाड़ी, दोघड उठाई हुई हरियाणवी महिला, चक्की चलाती हुई महिला, ओखल कूटती हुई महिला, 100 साल पुराना देशी नलका, हाथ से चलाने वाला गंडासा ऐसे शेल्फी प्वाईंट हैं जो पर्यटकों को खूब भा रहे हैं। पर्यटक इनके साथ सेल्फी लेकर सोशल मीडिया के माध्यम से वायरल हो रहे हैं। उधर विरासत हेरिटेज विलेज के संयोजक डॉ. महासिंह पूनिया ने बताया कि स्वदेशी मेला में विरासत की ओर से भव्य सांस्कृतिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है इस आयोजन में मीडिया चौपाल सभी के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। उन्होंने कहा कि मीडिया चौपाल में आज राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा, महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया , स्वदेशी के राष्ट्रीय सह संगठक सतीश सहित अनेक महान विभूतियों ने पॉडकास्टिंग चौपाल में मीडिया के माध्यम से हरियाणा एवं भारत के लोगों को स्वदेशी का संदेश दिया ।

बाबा श्री पीर रतन नाथ जी के अनुयायियों ने चण्डीगढ़ की महापौर हरप्रीत कौर बबला को एक ज्ञापन देकर जमीन वापिस करने की मांग की

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। दिल्ली के झंडेवालान स्थित करीब 1400 साल पुराने ऐतिहासिक व पौराणिक मंदिर बाबा श्री पीर रतननाथ जी के परिसर में गत 29 नवंबर को हुई डीडीए और एमसीडी द्वारा की गई तोड़फोड़ की संयुक्त कार्रवाई को लेकर बाबा श्री पीर रतननाथ जी के देश-विदेश के साथ-साथ चण्डीगढ़ के अनुयायियों में भी भारी रोष व्याप्त है। चण्डीगढ़ में हर श्री नाथ जी मंदिर गाँव किशनगढ़ मे स्थित है, जिसके साथ ट्राइसिटी के हजारों श्रद्धालुओं की आस्था जुड़ी हुई है।

इस सम्बन्ध में आज चण्डीगढ़ में बाबा श्री पीर रतन नाथ जी के अनुयायियों ने चण्डीगढ़ की महापौर हरप्रीत कौर बबला को एक ज्ञापन देकर मांग की है कि वे जगह जल्द से जल्द वापस की जाए ताकि शिवरात्रि का मेला ठीक ढंग से मनाया जा सके। उल्लेखनीय है कि प्रति वर्ष शिवरात्रि के पर्व पर दिल्ली में विशाल मेला जुड़ता है और इसकी तैयारियां अभी से शुरू हो जाती हैं, क्योंकि शिवरात्रि के मेले में यहाँ लाखों सेवादार देश-विदेश से दिल्ली में आते हैं और यहां रुकते हैं। इन अनुयायियों में मंदिर के प्रधान सुरिंदर चोपड़ा, मंदिर के कमेटी सदस्य सतिंदर शर्मा, नौशू भसीन, मनीष भसीन, लक्की साहनी, रमन आनंद, संजय, आशू, मनु भार्गव, विवेक चंडोक भी मौजूद रहे।

हर श्री नाथ जी मंदिर, चण्डीगढ़ के प्रधान सुरेंद्र कुमार चोपड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि देश की राजधानी में झंडेवालान में स्थित हर श्री नाथ जी मंदिर पिछले 80 वर्षों से अस्तित्व में है और इसकी परंपरा लगभग

1400 वर्षों की प्राचीन गोरखनाथ परंपरा से जुड़ी मानी जाती है। उनका कहना है कि झंडेवालान में बुलडोजर से ध्वस्तीकरण के बाद भी श्रद्धालुओं का उत्साह और आस्था कम नहीं हुई। सुरेंद्र कुमार चोपड़ा ने बताया कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी भी नाथ परम्परा से ही हैं व वे स्वयं मंदिर बाबा श्री पीर रतननाथ जी की गद्दी के बारे में में अपने विचार व्यक्त कर चुके हैं।

उन्होंने बताया कि गोरक्षनाथ जी नाथ परम्परा के पहले संत थे व उनके बाद बाबा श्री पीर रतननाथ जी उनकी परम्परा के वाहक हुए। उन्होंने कहा कि ये अजीब विडंबना है कि पाकिस्तान में इतने बरसों बाद भी मंदिर मजबूती से कायम है व वहां भक्तों की सहूलियतों का भी पूरा ध्यान रखा जाता है, जबकि अपने देश भारत में सरकार मंदिर परिसर को सरंक्षण प्रदान करने में नाकाम साबित हुई।

भक्तों के मुताबिक झंडेवालान में कार्रवाई के दौरान तुलसी वाटिका, लंगर स्थल और कुछ निर्माणों को तोड़ा गया, जिससे श्रद्धालुओं में गहरी नाराजगी है। सेवकों का कहना है कि स्थल पर 16 वर्षों से अखंड राम नाम की ज्योति, हरे राम पाठ, दैनिक पूजन और लंगर सेवा निरंतर चल रही थी व आगे भी चलती रहेगी। मंदिर में प्रतिदिन प्रातः आरती, सत्संग और राम नाम का जाप चलता है। हजारों श्रद्धालु दर्शन करते हैं। मंदिर प्रबंधन द्वारा लंगर, जल सेवा, गरीबों को कंबल वितरण, मेडिकल शिविर और गौशाला संचालन जैसी सेवाएँ वर्षों से चलाई जा रहीं हैं। तोड़े गए स्थल में रोजाना हजारों लोगों के लिए लंगर प्रसाद बनता था जोकि सेवा, भक्ति और समुदाय की पहचान थी।

सीएससीए के यंग फ्रेंडस चैप्टर की बैठक में हुआ खूब नाच गाना

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चण्डीगढ़ सीनियर सिटिजन्स एसोसिएशन (सीएससीए), के यंग फ्रेंडस चैप्टर की बैठक आज कम्यूनिटी सेंटर, सेक्टर 40 में आयोजित हुई जिसका बेहतरीन मंच संचालन सोमेश गुप्ता ने किया। चेप्टर हेड दीदार सिंह ने सभी आगन्तुकों का अभिवादन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सोमेश गुप्ता, देवेन्द्र शर्मा, निशा नंदा और कीरती शर्मा ने 'हे राम' भजन से किया। उपरोक्त बैठक में समय अनुपालना टेस्ट, सभी सदस्यों का जन्मदिन मनाना, तम्बोला का आयोजन, सकारात्मक भाषण के साथ साथ गीत ग़ज़ल गायन पर महत्वपूर्ण चर्चा विशेष रही। बैठक के अगले चरण में गीत प्रस्तुति श्रृंखला में कीरती शर्मा ने 'तदबीर से...', पुष्प लता सिंगला ने 'आप की नजरों ने समझा.....',तरसेम सिंगला ने 'ये मेरा प्रेम पत्र....', संजय शर्मा ने 'तुम जो मिल गये हो.....' पवन शर्मा ने 'जब कोई बात....,' निशा शर्मा ने 'पल पल दिल के पास.....,' आदि गीत प्रस्तुत किए। वीणा शर्मा ने पंजाबी गीत एवं एचएस बेदी ने बेहतरीन शायरी प्रस्तुत की।

कालका में बुजुर्ग महिला से मारपीट कर स्नैचिंग की कोशिश करने वाला मुख्य आरोपी 1 देशी कट्टा व 2 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। पंचकूला पुलिस की क्राइम ब्रांच सेक्टर-19 की टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। टीम ने अवैध हथियार के साथ एक शातिर व आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया है।

एसीपी क्राइम अरविंद कंबोज ने जानकारी देते हुए बताया कि 20 दिसंबर को हमे गुप्त सूत्र से एक युवक के अवैध हथियार के साथ कालका क्षेत्र के गांव कंगुवाला में मौजूद होने की सूचना मिली थी। इसी आधार पर क्राइम ब्रांच सेक्टर-19 के इन्चार्ज मुकेश सैनी के नेतृत्व में टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके पर दबिश दी और युवक को काबू किया। तलाशी के दौरान युवक के कब्जे से 1 देशी कट्टा और 2 जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान नितिन उम्र 38 वर्ष, निवासी गांव टिपरा, कालका के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना कालका में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की गई।

डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक मनप्रीत सिंह सूदन ने बताया कि आरोपी नितिन एक आदतन अपराधी है। आरोपी ने 11 नवंबर को कालका रेलवे स्टेशन के नजदीक एक मोटरसाइकिल चोरी की थी। इसके अलावा 19 नवंबर की सुबह कालका क्षेत्र में एक बुजुर्ग महिला के साथ मारपीट कर स्नैचिंग करने के प्रयास के मामले में भी आरोपी मुख्य आरोपी था। इस स्नैचिंग मामले में एक अन्य आरोपी को पहले ही

गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस ने आज आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर 3 दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया है। रिमांड के दौरान आरोपी से अवैध हथियार सप्लाई करने वाले गिरोह, अन्य चोरी व स्नैचिंग की वारदातों के संबंध में गहनता से पूछताछ की जाएगी। इस अवसर पर पंचकूला पुलिस कमिश्नर (एडीजीपी) शिवास कविराज ने कहाः कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त और प्रभावी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। पुलिस की टीमें पूरी मुस्तैदी और प्रतिबद्धता के साथ जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्य कर रही हैं।

किशोरी को झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। पंचकूला पुलिस ने एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने और उसे गर्भवती करने के आरोप में पंजाब निवासी एक 26 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी को पुलिस द्वारा न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मामले की शुरुआत 8 दिसंबर को हुई, जब पंचकूला निवासी एक व्यक्ति ने अपनी 16 वर्षीय नाबालिग बेटी के लापता होने की शिकायत सेक्टर-2 पुलिस चौकी में दी। देर शाम तक बेटी के घर न लौटने पर परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताई थी। शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सेक्टर-5 थाना पुलिस ने 9 दिसंबर को मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने 18 दिसंबर को लड़की को बरामद कर लिया। बरामदगी के बाद जब किशोरी का मेडिकल परीक्षण करवाया गया, तो उसमें वह गर्भवती पाई गई।

डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने बताया कि जांच में सामने आया कि पंजाब के रहने वाले एक 26 वर्षीय युवक ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। 20 दिसंबर को आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पीड़िता की मानसिक स्थिति को देखते हुए उसकी काउंसलिंग भी करवाई गई है। आरोपी

को आज अदालत में पेश किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

इस संवेदनशील मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने किशोरियों को विशेष संदेश दिया है। उन्होंने अपील की कि वे किसी भी व्यक्ति के बहकावे में न आएं व खुद को काबिल बनाएं। डीसीपी ने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति डराता-धमकाता है या जबरदस्ती करने की कोशिश करता है, तो बिना डरे तुरंत अपने परिजनों और पुलिस को सूचित करें। उन्होंने चेतावनी दी कि महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराध करने वालों के खिलाफ पंचकूला पुलिस बेहद सख्त रुख अपनाएगी।